दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

मकर संक्रांति 2026: जानें 14 या ...8

बलरामपुर

गुरूवार, 15 जनवरी 2026

वर्षः 05 अंक : 103 पृष्ठः 8

आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

5.00 लाख रूपये तक की परियोजनाओं हेतु ऋण पर शत–प्रतिशत ब्याज का अगले 4 वर्षों के लिए दिया जायेगा उपादान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सहायक आयुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र सोनभद्र अजीत सिंह ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश के शिक्षित व प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर नए सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सी0एम0 युवा योजना का प्रख्यापन किया गया है। योजनान्तर्गत उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की अधिकतम 5.00 लाख रूपये तक की परियोजनाओं के ऋण पर शत–प्रतिशत ब्याज का उपादान अगले 4 वर्षों के लिए दिया जायेगा। सी0जी0टी0एम0एस0ई कवरेज हेतु आवश्यक धनराशि का वहन भी 4 वर्षों तक राज्य सरकार द्वारा किया जायेगा। समस्त राष्ट्रीयकृत/शेड्यूल्ड/ग्रामीण बैंकों तथा आर0बी0आई0 द्वारा अधिसूचित सभी वित्तीय संस्थाओं से वित्त पोषण हो सकेगा। 21 वर्ष से 40 वर्ष की आयु के समस्त आवेदक, जिनकी शैक्षिक योग्यता न्यूनतम कक्षा आठ उत्तीर्ण है। योजना सम्बन्धी किसी भी जानकारी हेतु कार्यालय–उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सोनभद्र से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। कार्यालय के सीएम युवा फेलो– श्री विपुल कुमार, 8173996514 एवं श्री प्रद्युमन चौबे, 9794397729 से भी सम्पर्क किया जा सकता है।

सोबाए चुनाव : अध्यक्ष बने अशोक प्रसाद श्रीवास्तव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सोनभद्र बार एसोसिएशन वर्ष 2026–27 के लिए हुए चुनाव में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अशोक प्रसाद श्रीवास्तव ने अपने प्रतिद्वंदी हेमनाथ द्विवेदी को 89 मत से पराजित कर विजयी घोषित हुए। अध्यक्ष अशोक प्रसाद श्रीवास्तव को 294 मत मिले थे। गत 13 जनवरी को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुए मतदान के बाद बुधवार को मतगणना की प्रक्रिया पूर्ण हुई। नौ चक्र में हुई गणना के बाद विजयी अध्यक्ष पद के प्रत्याशी की घोषणा की गई। अध्यक्ष अशोक प्रसाद श्रीवास्तव ने 89 मत अधिक पाकर अपने प्रतिद्वंदी हेमनाथ द्विवेदी को पराजित किया। इसी तरह वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद के उम्मीदवार गोविंद प्रसाद मिश्रा ने 405 मत पाकर अपने प्रतिद्वंदी अजय कुमार द्विवेदी को पराजित किया। महामंत्री पद के उम्मीदवार योगेश कुमार द्विवेदी को 343 मत मिले। जबकि इनके प्रतिद्वंदी अरूण कुमार सिंघल को महज 276 मत ही प्राप्त हुए। लिहाजा योगेश कुमार द्विवेदी ने अरूण कुमार सिंघल को हराकर विजय प्राप्त किया। कोषाध्यक्ष पद के उम्मीदवार वंशीधर पांडेय को 416 मत मिले। इसके प्रतिद्वंदी प्रदीप कुमार सिंह को 241 मत मिले। गणना के बाद एल्डर कमेटी के चेयरमैन ने अध्यक्ष को शपथ दिलायी। बाद अध्यक्ष ने अन्य विजयी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। बाद विजयी पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र दिया गया। उधर चुनाव के बाद गणना को लेकर पूरे दिन सदर कचहरी परिसर में गहमा–गहमी की स्थिति बनी रही। सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से चप्पे–चप्पे पर पुलिस फोर्स तैनात रही। उल्लेखनीय है कि चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी सुरेश सिंह एडवोकेट ने 18 अधिवक्ता विजय प्रकाश पांडेय, रणछोर प्रसाद पांडेय, कुशकांत, रविन्द्र नाथ पाठक, विनोद कुमार शुक्ला, विमल प्रकाश शुक्ला, अनिरूद्ध सोनी, आनंद ओझा, प्रदीप कुमार सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, आशीष कुमार पाठक, वृजकिशोर सिंह, अनूप कुमार पांडेय, अवधेश कुमार मिश्र, अंकित सिंह गौतम, अनिल कुमार पांडेय, संदीप कुमार पांडेय व संजय पांडेय को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया था। इनकी देखरेख में यह चुनाव सकुशल संपन्न हुआ।

सीएमओ ने ग्राम स्वास्थ्य पोषण व स्वच्छता दिवस का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी द्वारा विकास खंड श्रीदत्तगंज के ग्राम कपौआ शेरपुर स्थित पंचायत भवन में संचालित ग्राम स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता दिवस वीएचएसएनडी सत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन करना तथा मातृ–शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ–साथ प्रोजेक्ट संवर्धन के अंतर्गत संचालित पोषण संबंधी गतिविधियों की समीक्षा करना रहा। निरीक्षण के दौरान एएनएम ममता द्वारा सत्र में उपस्थित 04 गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच की गई तथा 11 बच्चों का नियमित टीकाकरण किया गया। सीएमओ ने गर्भवती महिलाओं की जांच प्रक्रिया, टीकाकरण रजिस्टर, दवाओं की उपलब्धता एवं लाभार्थियों को दी जा रही परामर्श सेवाओं का निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने प्रोजेक्ट संवर्धन के अंतर्गत बच्चों एवं महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पोषण, स्वच्छता एवं व्यवहार परिवर्तन से जुड़े कार्य प्रोजेक्ट संवर्धन की सफलता की कुंजी हैं। निरीक्षण के समय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीदत्तगंज के अधीक्षक डॉ. आनंद त्रिपाठी, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, आशा कार्यकत्री शारदा एवं सुनीता, आंगनवाड़ी कार्यकत्री रेनू श्रीवास्तव एवं बसंती, सहित सर्वेश गोस्वामी एवं अन्य स्वास्थ्य व सहयोगी कर्मी उपस्थित रहे। सीएमओ ने कहा कि ग्राम स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता दिवस ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम है। प्रोजेक्ट संवर्धन के साथ समन्वय स्थापित कर इन सत्रों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई जा रही हैं, जिससे कुपोषण, एनीमिया एवं मातृ–शिशु मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाने में सहायता मिल रही है।

भुकुरू भवानी मंदिर पर नि. विधायक शैलेश कुमार सिंह ने किया खिचड़ी भोज का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। भारत नेपाल सीमा पर अंतिम गांव के पास जंगल में स्थित भुकुरु भवानी मंदिर पर बुधवार को गैसड़ी के नि.विधायक शैलेश कुमार सिंह उर्फ शैलू ने विशाल खिचड़ी भोज का आयोजन करा कर जनजाति समाज के लोगो को भोज कराया।लगभग दस जनजाति गांव के हजारों लोग खिचड़ी भोज में शामिल होकर जय भवानी और भारत माता की जयकारे लगाया। गैसड़ी के लोकप्रिय नि. विधायक थारू जनजाति क्षेत्र से ज्यादा लगाव रखते हैं। नि.विधायक शैलेश कुमार सिंह ने बताया कि खिचड़ी और समरसता भोज का भव्य और दिव्य आयोजन मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में हो रहा है, जिससे समाज में सामाजिक एकता, भाईचारा और सद्भाव बढ़ाने के लिए सभी जातियों और धर्मों के लोगों को एक साथ लाकर खिचड़ी खिलाते हैं, भारत नेपाल सीमा पर स्थित मां भुकूरू भवानी मंदिर जो हम सब लोगो के आस्था का केंद्र है।जिसका उद्देश्य छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों को मिटाना और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करना है। इस अवसर पर भाजपा नेता राम सरन गुप्ता,प्रदेश परिषद के सदस्य,विनय त्रिपाठी,राजेंद्र ओझा,भाजपा से कामेश्वर मिश्रा,जीवन मिश्रा, अमित कुमार जायसवाल,राम विलास विश्वकर्मा सहित हजारों की संख्या में जनजाति समाज के लोग शामिल हुए।

फर्जी एससी/एसटी मुकदमे के विरोध में बीएसएस परशुराम सेना ने दी आंदोलन की चेतावनी

शीतला माता मंदिर परिसर में आयोजित हुई संगठन की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

मऊ। बीएसएस परशुराम सेना की एक महत्वपूर्ण बैठक शीतला माता मंदिर परिसर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोज कुमार पांडे ने की। बैठक में मऊ जनपद के चिरैयाकोट थाना अंतर्गत बिशुनपुरा गांव में ब्राह्मण समाज के 10 लोगों पर दर्ज कथित फर्जी एससी/एसटी मुकदमे का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोज कुमार पांडे ने कहा कि निर्दोष ब्राह्मणों को झूठे मुकदमों में फंसाया जा रहा है, जो अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन को निष्पक्ष जांच कर निर्दोष लोगों को राहत देनी चाहिए। यदि शासन–प्रशासन द्वारा इस मामले में शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं की गई तो बीएसएस परशुराम सेना आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मुनेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि ब्राह्मण समाज पर हो रहे अत्याचार को संगठन किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगा और समाज के सम्मान व अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा। क्षेत्रीय महामंत्री दुर्गा पांडे ने बताया कि आगामी 18 तारीख को मधुबन के कमल सागर में आयोजित ब्राह्मण महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में लोगों को शामिल होकर अपनी एकजुटता दिखानी चाहिए। वहीं जिला महासचिव अजय कुमार मिश्रा ने ब्राह्मण समाज को संगठित होने पर जोर देते हुए समाज के लोगों से बीएसएस परशुराम सेना से जुड़ने का आह्वान किया। बैठक में संगठन के पंडित मुनेंद्र कुमार मिश्रा, अजय मिश्रा, मनोज पांडे, दुर्गावती मिश्रा, नीरज कुमार दुबे, राजेश दुबे, दुर्गा पांडे, जीवन चतुर्वेदी, यशवंत मिश्रा, सुरेंद्र मिश्रा, दीपक महाराज सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्रीदत्तगंज में मंडल स्तरीय हिंदू सम्मेलन आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के ब्लॉक श्रीदत्तगंज अंतर्गत केरावगढ़ न्याय पंचायत स्थित दुर्गा माता मंदिर परिसर में आज मंडल स्तरीय हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत भारत माता पूजन से हुई, जिसमें श्रद्धा, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना का भाव स्पष्ट रूप से देखने को मिला। सम्मेलन में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए सैकड़ों कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरदौरी के प्रबंधक सर्वेश सिंह ने की। उन्होंने सम्मेलन की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और राष्ट्रप्रेम को मजबूत करने का कार्य किया जाता है। उन्होंने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह का स्वागत एवं अभिनंदन किया। सम्मेलन के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख सुभाष जी रहे। अपने विस्तृत संबोधन में उन्होंने हिंदुत्व की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए कहा कि हिंदुत्व केवल एक धार्मिक अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है। उन्होंने सनातन संस्कृति को विश्व की प्राचीनतम और वैज्ञानिक संस्कृति बताते हुए उसके मूल तत्वों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता सुभाष ने हिंदू समाज की रक्षा और स्वाभिमान के लिए गुरु गोविंद सिंह के महान बलिदान का उल्लेख करते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने स्वाधारित एवं आत्मनिर्भर जीवन शैली अपनाने, कुटुंब प्रबोधन को मजबूत करने, पर्यावरण संरक्षण को जीवन का अंग बनाने तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रस्तावित पंच परिवर्तन के विषयों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्यों, नैतिक शिक्षा एवं राष्ट्र निर्माण में समाज की भूमिका पर भी विचार–विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि संगठित समाज ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। कार्यक्रम के उपरांत सहभोज आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार, जिला कार्यवाह किरीट मणि, विभाग प्रचारक प्रमुख मनीष कुमार, जिला प्रचार प्रमुख मोहनीश, खंड संघचालक हरिभान सहित चंद्र प्रकाश पांडे, अशोक सिंह, अंजनी मिश्रा, चंदन मिश्रा, सुबोध सिंह, वीर प्रताप सिंह, राहुल जायसवाल, सिद्धार्थ पटवा, जितिन कौशल, सूर्य प्रकाश पाठक, ग्राम प्रधान राम नरेश यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत एवं सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। आयोजन शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

तमिल आवाज दबा नहीं पाएंगे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा तमिल फिल्म जन नायकन पर रोक लगाने की कथित कार्रवाई को लेकर राजनीतिक बवाल मच गया है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय पर तमिल संस्कृति पर हमला करने का आरोप लगाया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेतावनी दी है कि तमिल जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। मंगलवार को इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए गांधी ने ग पर सरकार को सीधी चुनौती दी। उन्होंने कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा श्जना नायकनश पर रोक लगाना तमिल संस्कृति पर हमला है। श्री मोदी, आप तमिल जनता की आवाज को दबाने में कभी सफल नहीं होंगे। जना नायकन को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कथित तौर पर फिल्म को मंजूरी देने से रोकने या उस पर रोक लगाने के लिए कदम उठाए। हालांकि केंद्र ने सार्वजनिक रूप से अपनी आपत्तियों का विवरण नहीं दिया है, लेकिन मामले से परिचित सूत्रों का कहना है कि प्रमाणन मानदंडों और विषयवस्तु संबंधी दिशानिर्देशों को लेकर चिंताएं जताई गई थीं, विशेष रूप से फिल्म के राजनीतिक निहितार्थों और समकालीन शासन व्यवस्था के साथ कथित समानताओं को लेकर। आधिकारिक तौर पर स्पष्टता की कमी ने अटकलों और आलोचनाओं को हवा दी है, खासकर तमिलनाडु में, जहां सिनेमा ऐतिहासिक रूप से राजनीतिक विचारों और सामाजिक आंदोलनों से जुड़ा रहा है।

डीएम की अध्यक्षता में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के आयोजन से सम्बंधित तैयारी बैठक हुई आयोजित

24 जनवरी से 26 जनवरी तक मनाया जाएगा उत्तर प्रदेश दिवस–डीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में आगामी 26 जनवरी 2026 को जनपद में गणतंत्र दिवस समारोह परम्परागत एवं हर्षोल्लास के साथ मनाये जाने के संबंध में तैयारी बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(वि/रा) जय प्रकाश व मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा 26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस के अवसर पर निर्धारित कार्यक्रमों/आयोजनों के संयोजन एवं समीक्षा हेतु सम्बंधित अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिये गये। गणतंत्र दिवस समारोह के कार्यक्रम में प्रभात फेरी, महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यापर्ण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल–कूद, वृक्षारोपण सहित अन्य विविध कार्यक्रम शामिल किये गये हैं। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी व अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत सहित समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने कार्यालयों में साफ–सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ–साथ विशेष रूप से महापुरूषों के प्रतिमाओं की रंगाई पुताई एवं साफ–सफाई करा ली जाए। अपर जिलाधिकारी जय प्रकाश ने बैठक में गणतंत्र दिवस समारोह मनाये जाने हेतु कार्यक्रमों की रूप–रेखा पर जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ चर्चा करते हुए गणतत्र दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन से सम्बंधित जिम्मेदारी एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करते हुए कहा कि जिन अधिकारियों को गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों मे जो दायित्व सौपे जा रहें हैं, वे अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रह कर कार्यक्रमों को सफल बनाना सुनिश्चित करेगें। उल्लेखनीय है कि विगत वर्षो की भॉति गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रातः 08.15 बजे प्रभात फेरी, 08.30 बजे सभी सरकारी भवनों पर ध्वजारोहण, 09.15 बजे वृक्षारोपण, 09.30 से 11.30 बजे

तक पुलिस परेड, 10.00 बजे जनपद मुख्यालय पर महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यापर्ण एवं समस्त शिक्षण संस्थाओं, पंचायत भवनों तथा सार्वजनिक स्थलों पर ध्वजारोहण, अपरान्ह 01.00 बजे जिला चिकित्सालय में मरीजों में फल वितरण सहित विविध कार्यक्रमों के आयोजन की रूप रेखा तय करते हुए अपर जिलाधिकारी ने कार्यक्रमों को गौरवशाली बनाने हेतु सम्बंधित अधिकारियों एवं स्वंय सेवी संगठनों से अपील की है। जिलाधिकारी ने गणतंत्र दिवस को राष्ट्र प्रेम की भावना के साथ मनाने की अपील करते हुये कहा कि इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाये कि झण्डा साफ सुथरा हो, निर्धारित आकार का हो एवं झण्डे को सीधा फहराया जाये, जिसमें सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद तथा नीचे हरा रंग रहे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी द्वारा समस्त सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए अवगत कराया गया कि दिनांक 24 जनवरी 2026 को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर विकास भवन परिसर के डी0पी0आर0सी0 हॉल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दिनांक 24 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक आयोजित किये जाने वाले 03 दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न विकास विभागों द्वारा प्रदर्शनी/स्टालों के माध्यम से योजनाओं का प्रचार–प्रसार किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन 24 जनवरी 2026 को प्रातः 11.00 बजे किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा। इस अवसर पर व्यापारी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी/समाजसेवी सर्वदानंद पांडेय, समाजसेवी शिवकुमार गुप्ता, सुभाष शुक्ला, जिला विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश त्रिपाठी, परियोजना निदेशक विजयंत कुमार सिंह, एसीएमओ डॉ0 राम रतन, उप जिलाधिकारी खलीलाबाद अरुण कुमार, अपर उप जिलाधिकारी सुधीर कुमार, उप जिलाधिकारी (न्यायिक) धनघटा हृदय नारायण तिवारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अमित कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी त्रिभुवन लाल, एसओसी विनय कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, उप निदेशक कृषि डॉ0 राकेश कुमार सिंह, जिला उद्यान अधिकारी समुद्रगुप्त मल्ल, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 एस के तिवारी, एसडीओ विद्युत के एन शुक्ला, व्यायाम शिक्षिका पीएम श्री राजकीय कन्या इंटर कॉलेज सोनिया, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार, समाज कल्याण अधिकारी महेंद्र कुमार, बांट माप अधिकारी वीपी वर्मा, प्रशासनिक अधिकारी ब्रदी प्रसाद व सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज सहित सम्बन्धित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

बैनामे वाली जमीन पर अवैध निर्माण रोकने की मांग: डीएम को सौंपा पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सिद्धार्थनगर जनपद के बांसी तहसील क्षेत्र के घोसियारी निवासी शिवकुमार पुत्र गौरी ने जिलाधिकारी को पत्र देकर अपने बस्ती जनपद के भानपुर तहसील क्षेत्र के उकड़ा की

बैनामाशुदा जमीन पर अवैध निर्माण रोकने की मांग किया है। पत्र में शिवकुमार ने कहा है कि उसने रामतौल पुत्र रामदेव से गाटा सं0 423क रक्बा 0.033हे0 में से 11 एअर बैनामा लिया है। इस भूमि पर सीमा सिंह के पति सुजीत कुमार सिंह पुत्र ईनल सिंह द्वारा अवैध रूप से कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसे रोकवाया जाय। डीएम को दिये पत्र में शिवकुमार ने कहा है कि उसके बैनामे की जमीन के उत्तर तरफ सीमा सिंह पत्नी सुजीत कुमार सिंह व दक्षिण तरफ सूरसती का मकान है सीमा सिंह व सूरसती अपने पूरे जमीन पर मकान बनाकर काबिज है। उनकी भूमि पर अभी कोई निर्माण नहीं किया गया है। उनके बैनामे की भूमि पर सीमा सिंह के पति सुजीत कुमार सिंह पुत्र ईनल सिंह द्वारा अवैध रूप से कब्जा करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। वह अपने जमीन की नाप जोख कराना चाह रहा था, किन्तु उप जिलाधिकारी द्वारा नाप जोख कराने से मना कर दिया गया है। ऐसी सूरत में उसने डीएम से मांग किया है कि उसकी और सीमा सिंह व सूरसती देवी के बैनामे के हिसाब से कब्जे की रिपोर्ट राजस्व निरीक्षक व लेखपाल से मंगाकर मौके की स्थिति स्पष्ट कराकर उनके बैनामे की भूमि से अवैध निर्माण रोकवाय जाय।

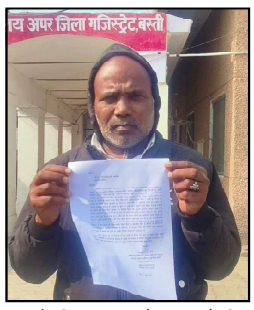

साइबर सुरक्षा जनजागरूकता अभियान के तहत कोतवाली भिनगा पुलिस ने आमजन को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम तथा नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में जनपद में साइबर सुरक्षा जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना कोतवाली भिनगा पुलिस द्वारा दिनांक 14 जनवरी 2026 को दहाना तिराहा के समीप साइबर सेल

की टीम के सहयोग से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित आम नागरिकों को साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों, उनसे बचाव के उपायों एवं सतर्कता बरतने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को एटीएम का सुरक्षित उपयोग, पिन गोपनीय रखने, अनजान व्यक्तियों से सहायता न लेने, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिखने वाले लुभावने विज्ञापनों एवं योजनाओं से सतर्क रहने की सलाह दी गई। साथ ही, ऑनलाइन खरीदारी से पूर्व विक्रेता की सत्यता जांचने पर विशेष जोर दिया गया। साइबर टीम द्वारा बताया गया कि व्हाट्सएप, एसएमएस या ई–मेल के माध्यम से प्राप्त अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें तथा किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत अथवा बैंकिंग जानकारी साझा करने से पहले पूरी तरह सत्यापन करें। साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने अथवा ॣबलइमतबतपउम.हवअ.पद पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई। इसके अतिरिक्त नागरिकों को डिजिटल साक्षरता, मजबूत पासवर्ड के प्रयोग, नियमित रूप से बैंक खातों एवं ऑनलाइन लेनदेन की निगरानी करने के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर दिए गए। साइबर सुरक्षा से संबंधित पंपलेट्स भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में नागरिकों ने साइबर अपराधों से बचाव के लिए स्वयं जागरूक रहने तथा अपने परिवार व समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

महिला आरक्षी ने जीता दूसरा स्वर्ण पदक: एसपी ने बढाया हौसला

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पुलिस लाइन बस्ती में तैनात महिला आरक्षी खीरी जनपद की निवासिनी हैं, उन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी शेर–ए–कश्मीर इंडोर स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में आयोजित की गई

शीतल चतुर्वेदी ने अपनी असाधारण प्रतिभा, कठिन परिश्रम और समर्पण के बल पर राष्ट्रीय स्तर की पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिताओं में लगातार दो स्वर्ण पदक जीतकर बस्ती पुलिस का नाम रोशन किया है। पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने शीतल चतुर्वेदी की सफलता पर उनका उत्साहवर्धन किया। कहा कि यह जीत उनके अनुशासन व खेल के प्रति जुनून का प्रतीक है। 2019 बैच की महिला पुलिस कर्मी शीतल चतुर्वेदी लखीमपुर को प्रभावित किया है। महिला आरक्षी शीतल चतुर्वेदी ने असम में आयोजित नौवीं अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता 2024–25 में पहला स्वर्ण पदक जीता था। 45 किलोग्राम भारवर्ग में उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया था। इसके बाद 10वीं अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता 2025–26 में, जो आठ से 16 स्वर्ण पदक के साथ बस्ती की महिला आरक्षी शीतल चतुर्वेदी अक्टूबर 2025 तक थी, उसमें उन्होंने आंध्र प्रदेश की खिलाड़ी कल्पना कुमारी को हराकर 45 किग्रा भारवर्ग में फिर स्वर्ण पदक प्रप्त किया। उनकी जीत पर पुलिस अधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत उनके अनुशासन व खेल के प्रति जुनून का प्रतीक है। गोरखपुर जोन के प्रभारी उपनिरीक्षक कोलाहल यादव का के साथ ही अनेक पुलिस कर्मियों ने महिला आरक्षी शीतल चतुर्वेदी की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त किया है।

टैक्सी स्टैण्ड का शहर में सुव्यवस्थित संचालन के उद्देश्य से डीएम ने अधिकारियों के साथ विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोण्डा जनपद में शहर के भीतर टैक्सी स्टैण्ड

के सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी गोण्डा श्रीमती प्रियंका निरंजन द्वारा संबंधित अधिकारियों के साथ शहर के विभिन्न प्रमुख स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना, आमजन को सुविधा प्रदान करना तथा अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों से उत्पन्न जाम की समस्या का समाधान करना रहा।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गोण्डादृलखनऊ रोड पर पीएसी गेट के आगे, गोण्डा–बेलसर रोड पर झंझरी ब्लॉक के सामने, गोण्डादृउतरौला रोड पर यशमय स्कूल के सामने तथा गोण्डादृबलरामपुर रोड पर बड़गांव ओवरब्रिज के उस पार संभावित टैक्सी स्टैंड स्थलों का गहन अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि टैक्सी स्टैंड का चयन इस प्रकार किया जाए जिससे यातायात प्रभावित न हो और यात्रियों को सुरक्षित व सुलभ आवागमन की सुविधा प्राप्त हो। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित टैक्सी स्टैंड के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर टैक्सियों का अवैध रूप से खड़ा होना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग को नियमित निगरानी एवं आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही टैक्सी चालकों को निर्धारित स्थानों पर ही वाहन खड़ा करने तथा यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करने पर भी बल दिया गया। डीएम ने आपसी समन्वय से कार्य करते हुए शीघ्र ही टैक्सी स्टैंड संचालन की स्पष्ट व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुगम हो और आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।निरीक्षण के दौरान नगर मजिस्ट्रेट, उपजिलाधिकारी सदर,पुलिस क्षेत्राधिकारी सिटी, एआरटीओ प्रशासन एवं अधिशासी अधिकारी नगरपालिका गोण्डा सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सदर तहसील सभागार में आयोजित बीएलओ एवं सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का डीएम ने लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोण्डा जनपद में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचन नामावलियों के शुद्धिकरण एवं अद्यतन के उद्देश्य से अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2026 के आधार पर विशेष प्रगाढ़ परीक्षण अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने हेतु जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन के निर्देशन में तहसील सदर गोण्डा के सभागार में बीएलओ एवं सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी स्वयं प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग कर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए।प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि निर्वाचन नामावली लोकतांत्रिक प्रक्रिया की आधारशिला है,अतः इसकी शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।उन्होंने बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को निर्देशित किया कि विशेष प्रगाढ़ परीक्षण के दौरान प्रत्येक मतदाता प्रविष्टि का गहनता से परीक्षण किया जाए, ताकि अपात्र, मृतक, स्थानांतरित अथवा दोहरे नामों को सूची से हटाया जा सके तथा पात्र नागरिकों का नाम समयबद्ध रूप से जोड़ा जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि अर्हता तिथि 01.01.2026 के अनुसार 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी पात्र युवाओं का नाम निर्वाचन नामावली में सम्मिलित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए घर–घर जाकर सत्यापन, मतदाताओं से संवाद, आवश्यक दस्तावेजों की जांच एवं ऑनलाइन/ऑफलाइन आवेदनों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि महिला, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक एवं वंचित वर्ग के मतदाताओं पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति मताधिकार से वंचित न रह जाए। प्रशिक्षण के दौरान ई–ईपीआईसी, बीएलओ एप, फॉर्म 6, 7 एवं 8 के उपयोग, फोटो मिलान, नाम, आयु व पते में सुधार तथा आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं होगी तथा सभी गतिविधियां निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप पूर्ण की जाएंगी।

विकासखंड गैसड़ी का अनोखा गांव : पाँच साल से बिना ग्राम प्रधान, व्यवस्था पर सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के एक गांव की कहानी न सिर्फ चौंकाने वाली है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और सरकारी सिस्टम की गंभीर खामियों को भी उजागर करती है। यह मामला है बलरामपुर जनपद के केसरी विकासखंड अंतर्गत आने वाली ग्राम सभा सस्ता हरनावा का, जहाँ पिछले पाँच वर्षों से ग्राम प्रधान का चुनाव ही नहीं हो पाया। हजारों की आबादी वाला यह गांव आज भी बिना निर्वाचित प्रतिनिधि के विकास की राह देख रहा है। लोकतंत्र में यह कल्पना करना भी कठिन है कि किसी ग्राम सभा में चुनाव ही न हों, लेकिन सस्ता हरनावा में यही सच्चाई है। वर्ष 2021 के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में यह ग्राम सभा चुनावी प्रक्रिया से बाहर हो गई। कारण थाकृग्राम सभा का अनुसूचित जनजाति (ैज) के लिए आरक्षित होना, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि यहां एक भी अनुसूचित जनजाति का परिवार निवास नहीं करता। आरक्षण की गलती या साजिश? ग्रामवासियों के अनुसार, इस अजीब स्थिति के पीछे वर्षों पुरानी एक राजनीतिक कहानी है। बताया जाता है कि कभी एक प्रभावशाली नेता के निजी वाहन चालक, जो थारू (अनुसूचित जनजाति) समुदाय से था, को कागजों में सस्ता हरनावा का निवासी दर्शा दिया गया। उद्देश्य यह था कि ग्राम सभा को अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित कराकर उसे

निर्विरोध प्रधान बनवाया जाए और परोक्ष रूप से सत्ता की बागडोर अपने हाथ में रखी जाए। हालांकि नियति ने करवट ली। वह एकमात्र थारू परिवार बाद में गांव छोड़कर चला गया। लेकिन कागजों में ग्राम सभा की आरक्षण श्रेणी नहीं बदली। नतीजतन, 2021 में जब पंचायत चुनाव हुए, तो कोई भी अनुसूचित जनजाति का प्रत्याशी उपलब्ध नहीं था और ग्राम सभा चुनाव से बाहर हो गई। विकास ठप, अधिकार छिने प्रधान न होने के कारण ग्राम सभा की वित्तीय और विकास संबंधी शक्तियाँ ग्राम विकास अधिकारी और खंड विकास अधिकारी के हाथों में चली गईं। इसका खामियाजा गांव की जनता भुगत रही है। गरीबी रेखा के आसपास जीवन यापन करने वाले ग्रामीणों का कहना है कि वे अपने मौलिक अधिकारों और सरकारी योजनाओं से वंचित रह गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, पाँच वर्षों में विकास के नाम पर महज 40–50 मीटर सीसी रोड, एक यूटिलिटी ढांचा, और करीब 90 मीटर आरसीसी सड़क का निर्माण हुआ, वह भी दो–तीन महीनों में। करोड़ों के बजट के मुकाबले यह विकास नाकाफी है। प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन और शौचालय निर्माण जैसी योजनाओं की स्थिति भी दयनीय बताई जा रही है। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग आज भी खुले में शौच को मजबूर हैं। अधिकारियों का टालमटोल रवैया

जब इस संबंध में खंड विकास अधिकारी (ठक्व) और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क किया गया, तो निराशा ही हाथ लगी। वीडियो पंचायत से मिलने का प्रयास किया गया, लेकिन वे कार्यालय में नहीं मिले। फोन करने पर कॉल काट दी गई। ग्राम विकास अधिकारी ने भी सवालों से बचते हुए फोन काट दिया। वहीं, खंड विकास अधिकारी नंदकुमार पांडे ने इस मुद्दे पर कुछ भी कहने से साफ इनकार कर दिया। उबाल पर गांव का गुस्सा प्रधान पद के अभाव और वर्षों की उपेक्षा से गांव में रोष बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उनका गांव राजनीतिक खेल का मोहरा बनकर रह गया है। अब वे शासन–प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि आरक्षण की त्रुटि को दूर कर निष्पक्ष चुनाव कराया जाए, ताकि गांव को उसका हक और विकास की राह मिल सके। यह मामला न सिर्फ सस्ता हरनावा का है, बल्कि यह सवाल खड़ा करता है कि यदि व्यवस्था की ऐसी चूकें समय रहते न सुधारी जाएं, तो लोकतंत्र की जड़ें कितनी मजबूत रह पाएंगी?

ग्राम पंचायत मदरहना में सरकारी योजनाओं की खुली लूट

दैनिक बुद्ध का संदेश /सुषमा मिश्रा

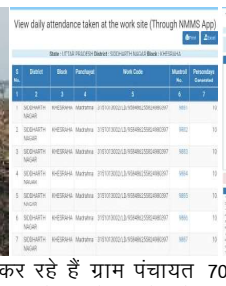

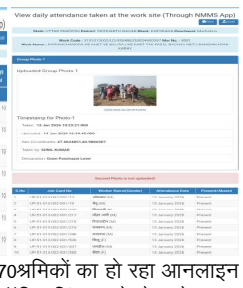

सिद्धार्थनगर। सरकार के खज़ाना को आंख में पट्टी बांध कर लूटरहे है। जिले के खेसरहा ब्लॉक के ग्राम पंचायत मदरहाना में विकास के नाम पर सेल्फी प्वाईंट बना मनरेगा में भ्रष्टाचार करने का एक बहाना। हैं जिसका जॉप कार्ड बना है बाहर है जिस मजदूर का जॉप नाम नहीं वह मनरेगा कार्य में काम कर रहे हैं वही 15 आदमी हर जगह पर फोटो लगा आगे पीछे करके इस लोग का फोटो लगाया जा रहा है वर्तमान में 15 आदमी है वहीं मजदूर साथ मास्टर रोल में काम कर रहे हैं ग्राम पंचायत मदरहाना मे मनरेगा से हो हरीश चन्द्र के खेत से बलिराज के खेत तक फसल बचाव बन्धीकरण का कार्य। ब्लॉक अधिकारी के मिली जुली भगत मनरेगा कार्य में काम करनेवाले 15 लोग रजिस्टर में हाजिरी 70 श्रमिकों का केन्द्र व प्रदेश सरकार के जीरो टॉलरेंस की नीति (छडडै) के विपरीत एपीओ व ग्राम पं. सचिव के संरक्षण में रोजगार सेवक करा रहे हैं कार्य। उक्त ग्राम पंचायत मे 1आईडी पर हो रहे कार्य पर कुल 7 मास्टर रोल और 70श्रमिकों का हो रहा आनलाइन मॉनिटरिंग फोटो हो रहा अपलोड मजे की बात यह है की उक्त आईडी पर सभी मास्टरोल पर एक ही श्रमिकों का फोटो किया गया है अपलोड। ग्राम पंचायत मदरहाना मे कुल 70श्रमिकों का जिम्मेदारो की मिली भगत से लग रहा है फर्जी हाजिरी। उक्त कार्य पर प्रधान के भ्रष्टाचार में संलिप्त रोजगार सेवक द्वारा अपनी नौकरी को दाव पर लगाते हुए एक ही सेल्फी से कई बार।

स्वच्छ भारत मिशन को आइना दिखा रहा गजहड़ा गांव का सामुदायिक शौचालय?

दैनिक बुद्ध का संदेश /श्रवण पटवा

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। यूं तो ग्राम प्रधानों का पंचवर्षीय कार्यकाल समाप्त होने को है लेकिन पूर्व प्रधानी कार्यकाल में ग्राम पंचायत निधि से कराये जाने वाले पंचायत भवन और सामुदायिक शौचालय का निर्माण कार्य अभी अधर में लटका हुआ है, जिसको लेकर सोशलमिडिया पर तरह–तरह की चर्चाएं हैं? मामला शोहरतगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत गजहड़ा का है। कथित रूप से पंचायत भवन के रूप में कराये गए कार्य केवल नींव तक आने के बाद ठप हो गया है तो वहीं सामुदायिक शौचालय में उसकी तत्कालीन लागत से अधिक का भुगतान होने के बाद भी आज भी सामुदायिक शौचालय ग्रामीणों के प्रयोग में नहीं आ रहा है। मामले के जानकार बताते हैं कि इस मामले में वर्ष 2022 में अधिशाषी अभियन्ता सिंचाई निर्माण खण्ड द्वारा जाँच भी हुई थी, लेकिन वर्तमान स्थिति को लेकर कैमरे के सामने जिम्मेदार कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। जांच अधिकारी के पत्र संख्या–1581 दिनांक– 27.09.2022 की बात करें तो उन्होंने अपनी जांच रिपोर्ट उपलब्ध करायी गयी है, जिसमे उनके द्वारा यह उल्लिखित किया गया है कि सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य मे 4,08,000,00 के स्थान पर 5,09,000.00 रुपये आहरित किये गये है। जांच अधिकारी द्वारा सामुदायिक शौचालय का जो फोटोग्राफ संलग्न किया गया है वह बिल्कुल खण्डहर जैसा है एवं अधूरा है। ऐसी स्थिति में सामुदायिक शौचालय मद में आहरित की गयी कुल धनराशि 5,09,000,00 रुपये वसूली योग्य है। जांच आख्या में पंचायत भवन निर्माण कार्य के सम्बन्ध में उल्लिखित किया गया है कि 20 लाख के प्राक्कलन के सापेक्ष 3,78,912.00 रुपये का भुगतान किया गया है। जांच आख्या के साथ संलग्न फोटोग्राफ में कराया गया कार्य पूरी तरह से मानक विहीन एवं निष्प्रयोज्य परिलक्षित हो रहा है। उपरोक्त दोनो कार्य आपके कार्यकाल के है।उन्होंने यह भी लिखा कि आपसे (पूर्व ग्राम प्रधान से) अपेक्षा की जाती है कि पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें कि क्यो न आपके विरुद्ध उ०प्र० पंचायतराज अधिनियम 1947 की धारा–27 के अन्तर्गत दुरुपयोग की गयी धनराशि 8,87,912.00 रुपये के 50 प्रतिशत भाग की वसूली भू राजस्व के बकाये की भांति कर दी जाय? यदि नियत अवधि के भीतर आप द्वारा स्पष्टीकरण प्रस्तुत नही किया जाता है अथवा आप द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण संतोषजनक नही पाया जाता है तो आपके विरुद्ध उवप्रव पंचायतराज अधिनियम 1947 की धारा–27 के प्राविधानो के अन्तर्गत गबन की गयी धनराशि के 50 प्रतिशत भाग की वसूली भू राजस्व के बकाये की भांति कर दी जायेगी, जिसके समस्त परिणामो के लिये आप व्यक्तिगत रुप से उत्तरदायी होंगे। खैर इसी मामले को लेकर गजहड़ा गांव के ग्राम प्रधान सहयोगी यार मोहम्मद ने पंचायत भवन और सामुदायिक शौचालय के विषय को लेकर तहसील समाधान दिवस में शिकायत की है। गाँव के जानकार बताते है कि गांव में पंचायत भवन का निर्माण नहीं होने के कारण अस्थाई रूप से पंचायत भवन बनाकर कार्य किया जा रहा है तो वहीं आज भी गांव का सामुदायिक शौचालय स्वच्छ भारत मिशन को आइना दिखा रहा है। मामले को लेकर जब सचिव अजय भारतीया से उनके मोबाइल नंबर पर बात की गई तो उनका नंबर बंद था और इसी क्रम में शोहरतगढ़ खंड विकास अधिकारी चंद्रभूषण तिवारी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। पत्रावली मंगा कर उसे दिखवाता हूं, यदि नियम विरुद्ध कार्य हुआ है तो निश्चित ही कार्रवाई की जाएगी।

हरजी ट्रेडर्स का एफडीआर निकला फर्जी बावजूद नहीं हो रही कार्यवाही– सुनील अग्रहरी

दैनिक बुद्ध का संदेश /श्रवण पटवा

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। अपने ही अधिशाषी अधिकारी (ईओ), लिपिक समेत तहसील के प्रशासनिक अधिकारियों के विरुद्ध बढ़नी चेयरमैन सुनील अग्रहरी ने मोर्चा खोल दिया है। अपर जिलाधिकारी को संबोधित पत्र दिनांकित 05/01/2026 में उन्होंने यह भी कहा कि मेरे साथ आम आदमी की तरह व्यवहार किया जाता है। कभी–कभी तो ऐसा महसूस होता है कि मैं नगर पंचायत अध्यक्ष ना होकर नगर पंचायत का एक आम कर्मचारी हूं। उन्होंने शोहरतगढ़ एसडीएम पर भी गंभीर आरोप लगाए कि उन्हें नगर पंचायत के संपत्ति रजिस्टर की जानकारी नहीं दी जा रही है। साथ ही यह भी कहा कि लगभग 4 वर्ष पूर्व मे० हरजी ट्रेडर्स के द्वारा तीन टेंडर लिया गया जिसका काम आज तक उसने पूरा नहीं किया। आगे लिखा कि एक बार मैं निर्माण हो रहे कान्हा गौशाला की फाइल की जांच कर रहा था उसमें एफडीआर हमें फर्जी महसूस हुआ हमने अधिशाषी अधिकारी महोदय से इसकी जानकारी प्राप्त करने के लिए कहा कि यह एफडीआर सही है या गलत? उनके द्वारा बैंक से पता किया गया तो लगा हुआ एफडीआई ही फर्जी है। मेरे कई बार कहने के बाद भी आज तक उस ठेकेदार व उस कंपनी के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई? साथ ही यह भी कहा कि बिगत 2 वर्षों से अधिशासी अधिकारी महोदय को अतिक्रमण हटाने के लिए हमारे सभासदों द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया और मेरे द्वारा भी लिखित एवं मौखिक रूप से कहा गया परंतु अभी तक अधिशासी अधिकारी महोदय को कोई फर्क नहीं पड़ा! ऐसे में हमें महसूस हो रहा है कि उनके निगाह में मैं एक कर्मचारी हूं बाकी कुछ नहीं? इसके साथ ही जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर को प्रेषित पत्र दिनांकित 12/01/2026 के पत्र में लिखा कि जनहित के कार्यों को अधिशाषी अधिकारी, उपजिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी के संज्ञान में लाने के बाद भी उसका संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। बढ़नी चेयरमैन सुनील अग्रहरि अपने ही अधिशासी अधिकारी समेत जनपद स्तरीय अधिकारियों से बेहद नाराज दिख रहे हैं। उन्होंने उनकी शिकायत जिलाधिकारी समेत प्रभारी मंत्री से भी की है। चेयरमैन की नाराजगी के चलते एक तरफ विकास कार्यों में ठहराव और दूसरे तरफ प्रशासनिक खींचतान के कारण आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अब देखना यह होगा कि जिलाधिकारी एवं प्रभारी मंत्री इस गंभीर प्रकरण पर कौन सी कार्रवाई कब तक करते हैं।

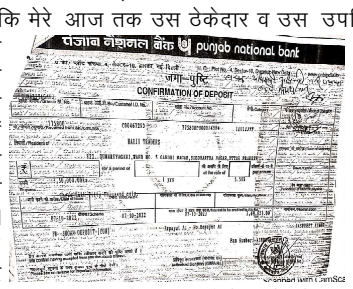

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
CONFIRMATION OF DEPOSIT
HARJI TRADERS

एडीओ पंचायत कार्यालय बढ़नी में फैले कतिथ भ्रष्टाचार की जांच करेंगे ए.डी.पी.आर.ओ.?

दैनिक बुद्ध का संदेश /श्रवण पटवा

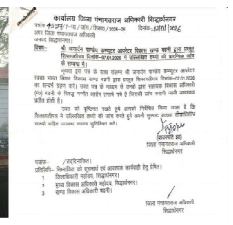

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। एडीओ पंचायत कार्यालय बढ़नी में फैले

कार्यालय जिला पंचायतराज अधिकारी सिद्धार्थनगर

भ्रष्टाचार की शिकायत के बाद जिला पंचायत राज अधिकारी ने अपर जिला पंचायतराज अधिकारी को जांच सौंपी है।मिली जानकारी अनुसार बीते कुछ दिनों पहले कार्यालय में तैनात एक कर्मचारी जनार्दन कुमार पाण्डेय ने सहायक विकास अधिकारी के ऊपर गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी सहित तमाम उच्चाधिकारियों को लिखित शिकायती पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई थी। उन्होंने भेजे गये शिकायती पत्र में लिखा था कि वह एडीओ पंचायत कार्यालय बढ़नी ब्लाक में कम्प्यूटर आपरेटर के पद पर कार्यरत है। सहायक विकास अधिकारी (पं) के द्वारा अक्टूबर माह में धन का माँग किया गया था, जिसे मेरे द्वारा नहीं दिये जाने पर मुझे तहसील पर सम्बद्ध कर दिया गया है। विकास खण्ड में सहायक विकास अधिकारी के कार्यालय में सफाई कर्मी राकेश कुमार एवं राजकिशोर मौर्या को सम्बद्ध किया गया है, जो विकास खण्ड के ही दो ग्राम पंचायतों में तैनात हैं। जन्म–मृत्यु प्रमाण–पत्र, परिवार रजिस्टर नकल आदि के नाम पर इन्हीं सफाई कर्मियों के माध्यम से सहायक विकास अधिकारी (पं०) द्वारा धन उगाही की जा रही है।सहायक विकास अधिकारी (पं) के कार्यालय में न ही मुझे बैठने की अनुमति दी जा रही है ,और न ही कार्य करने के लिए कम्प्यूटर–सेट दिया जा रहा है। जिसके संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा द्वारा अपर जिला पंचायत राज अधिकारी को जनार्दन पाण्डेय कम्प्यूटर आपरेटर स्वच्छ भारत मिशन विकास खण्ड बढनी द्वारा शिकायतीपत्र में उल्लिखित तथ्यों की जांच कर अपनी सुस्पष्ट आख्या शीघ्र साक्ष्यो सहित उपलब्ध कराने का दिशा–निर्देश जारी किया गया है।

सफाई कर्मचारी संघ ब्लॉक कार्यकारिणी का हुआ गठन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। लोटन विकास खण्ड सभागार में बुधवार को ब्लॉक कार्यकारिणी के गठन हेतु बैठक आयोजित की गई। चुनाव राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष अनिल सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिला अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि अपने दायित्वों का पालन ईमानदारी पूर्वक करना चाहिए। सफाई कर्मचारी देश का एक महत्वपूर्ण अंग है। सफाई कर्मचारी देश को साफ सुथरा बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस मौके पर मो योगेन्द्र अध्यक्ष, गुलाब चंद ब्लॉक मंत्री, अमित कुमार मिश्र वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उमा शंकर यादव कोषाध्यक्ष आदि के रूप में चुने गए। इस अवसर पर रामू प्रकाश, अरविन्द दूबे, ओम प्रकाश, रोहित, मनोज आदि मौजूद रहे।

भारत–नेपाल सीमा पर तस्करी की कोशिश नाकाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। अधीक्षक, सिद्धार्थनगर के आदेश पर एवं प्रशांत कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक, सिद्धार्थनगर के निर्देशन में, श्री विश्वजीत सौरयान, क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं तस्करी रोकथाम अभियान के अंतर्गत थाना कोतवाली लोटन पुलिस एवं सशस्त्र सीमा बल (ैंठ) की संयुक्त टीम द्वारा सफल कार्रवाई की गई।दिनांक 13 जनवरी 2026 को रात्रि करीब 23रू40 बजे सीमा स्तंभ संख्या 538 एवं 539 के बीच ग्राम भुसौला (डिहुलिया) के निकट

बॉर्डर एरिया में रात्रि गस्त/चेकिंग के दौरान चौकी प्रभारी श्री सुरेंद्र प्रताप सिंह एवं उनकी टीम की सक्रियता एवं सतर्कता से 16 बोरी मक्का एवं 07 साइकिलें तस्करी के प्रयास में प्रयुक्त अवस्था में बरामद की गईं। तस्कर मौके से फरार हो गए। बरामद सामान को धारा 11 कस्टम अधिनियम के अंतर्गत अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु कस्टम कार्यालय, ककरहवा भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार सरोज, कोतवाली लोटन के नेतृत्व में संचालित इस सफल अभियान में चौकी प्रभारी श्री सुरेंद्र प्रताप सिंह एवं उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही है। जनपद पुलिस एवं ैंठ की सतत सतर्कता एवं समन्वय से सीमा क्षेत्र में तस्करी के प्रयासों पर लगाम कसी जा रही है। आमजन से अनुरोध है कि ऐसी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत निकटतम पुलिस चौकी/थाने या ैंठ को दें।

बजहां चौपाल में उठा राशन घटतौली का मामला

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर, सिद्धार्थनगर। विकासखंड बर्डपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बजहां के नरखोरिया में आयोजित ग्राम चौपाल के दौरान राशन वितरण प्रणाली में कथित गड़बड़ियों का मामला सामने आया। ग्रामीणों ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया कि वर्षों से उन्हें निर्धारित मात्रा से कम राशन दिया जा रहा है, लेकिन विरोध करने पर दबाव बनाकर आवाज दबा दी जाती है। ग्रामीण रामू ने आरोप लगाया कि "बाप–दादाओं के जमाने से ऐसा ही चलता आ रहा है। जब भी कोई सवाल उठाता है तो ग्राम सभा से जुड़े कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा दबाव बनाकर मामला शांत करा दिया जाता है, जिससे कोई खुलकर शिकायत नहीं कर पाता।" ग्रामीणों का कहना है कि डर और दबाव के कारण कई लोग सच सामने लाने से बचते हैं, जिससे राशन घटतौली जैसी समस्याएं वर्षों से बनी हुई हैं। वहीं, कोटेदार से रऊफ के पौत्र मोबीन ने दूरभाष पर सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि "अगर किसी भी व्यक्ति को राशन कम मिलता है तो उसे तुरंत शिकायत करनी चाहिए। वितरण पूरी पारदर्शिता से किया जाता है।" इस संबंध में पूर्ति निरीक्षक विंध्यवासिनी श्रीवास्तव ने कहा कि "मामले को दिखवाते हैं," और जांच की बात कही। हालांकि, आरोपों में कितनी सच्चाई है, यह जांच का विषय है। लेकिन अगर ग्रामीणों के आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह सवाल जरूर खड़ा करता है कि इतने लंबे समय से कथित घटतौली पर विभागीय जिम्मेदारी आखिर क्या रही। अब देखना यह होगा कि पूर्ति निरीक्षक इस मामले में किस तरह संज्ञान लेते हैं और क्या कार्रवाई की जाती है।

इटवा तहसील के खेल इतिहास में नया अध्याय, सिद्धार्थ स्पोर्ट स्टेडियम में हुआ पहला स्टेडियम मैच बेलहसा सिकरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। की इटवा तहसील में खेल प्रेमियों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण तब आया, जब सिद्धार्थ स्पोर्ट स्टेडियम बेलहसा सिकरी में पहला आधिकारिक स्टेडियम मैच आयोजित किया गया। इस ऐतिहासिक मुकाबले के साथ ही इटवा तहसील ने खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाई है। स्टेडियम के इस पहले मैच का सफल आयोजन अध्यक्ष अहमद ख़ान, उपाध्यक्ष ताबीज़ ख़ान एवं सहयोगी फैयाज़ ख़ान के नेतृत्व और अथक प्रयासों से संभव हो सका। आयोजकों ने खिलाड़ियों के लिए बेहतर मैदान, अनुशासित व्यवस्था और खेल भावना से भरपूर माहौल उपलब्ध कराया, जिससे मैच पूरी तरह सफल और रोमांचक रहा। मैच के दौरान क्षेत्र के युवाओं, खेल प्रेमियों और गणमान्य नागरिकों की भारी

उपस्थिति देखने को मिली। दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर उनका मनोबल बढ़ाया। स्थानीय युवाओं में इस आयोजन से खेल के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिला। अध्यक्ष अहमद ख़ान ने इस अवसर पर कहा कि सिद्धार्थ स्पोर्ट स्टेडियम का उद्देश्य ग्रामीण व कस्बाई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक मजबूत मंच देना है। वहीं उपाध्यक्ष ताबीज़ ख़ान ने कहा कि आने वाले समय में यहां नियमित रूप से टूर्नामेंट और खेल गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सहयोगी फैयाज़ ख़ान ने सभी खिलाड़ियों और दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ शुरुआत है, आगे इटवा तहसील को खेल मानचित्र पर नई ऊंचाइयों तक ले जाना लक्ष्य है। इटवा तहसील में आयोजित यह पहला स्टेडियम मैच निश्चित रूप से क्षेत्र के खेल इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।

भा.कि.यू. ने शोहरतगढ़ तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। भारतीय किसान यूनियन के (अम्बावता) ग्रुप के जिला उपाध्यक्ष श्रवण कुमार ने सात सूत्रीय मांगों को लेकर शोहरतगढ़ तहसीलदार को ज्ञापन दिया है। ज्ञापन में उन्होंने भारतीय किसान यूनियन (अ) के असहाय एवं गरीब परिवार हेतु 100 कंबल उपलब्ध कराए जाने की बात कही है। इस दौरान भा.कि.यू. के जिला उपाध्यक्ष श्रवण कुमार, राम लौटन, लक्ष्मण रामकेश आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

काबिल ए गौर है कि गरीब युवा नशे को अपनी कठिनाइयों से बचने का साधन मानते हैं। सामाजिक और पारिवारिक तनाव, आर्थिक विपन्नता के कारण गतिशीलता और व्यक्ति की गरीबी प्रमुख कारण हैं। शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण संयुक्त परिवारों का विघटन हुआ है। इसके साथ ही शहरी जीवन का अकेलापन, युवाओं को नशे की ओर धकेलता है...

पी एस एल वी सी 62 मिशन एक सकारात्मक सोच

कई बार हम पूरी तरह प्रयास करते हैं और सफल नहीं हो पाते, किंतु बार बार के प्रयास से असफलता सफलता में बदल जाती है। भविष्य में हम अंतरिक्ष में हम निश्चित रूप से सफल होंगे। मिशन के रूप में पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल सी 62 (पी एस एल वी सी 62) 12 जनवरी 2026 को श्रीहरिकोटा से लॉन्च हुआ। इसके तीसरे चरण में तकनीकी खराबी के कारण यह अपने लक्ष्य से भटक गया और उपग्रहों का संपर्क टूट गया, जिससे मिशन आंशिक रूप से असफल रहा। हालांकि इसने ई ओ एस एन 1 और अन्य उपग्रहों को ले जाने का प्रयास किया।

पी एस एल वी – सी 62 मिशन को 12 जनवरी 2026, सुबह 10 बजकर 17 मिनट पर, सतीश धवन स्पेस सेंटर, श्रीहरिकोटा, आंध्र प्रदेश से लांच किया गया। गौरतलब है कि इस मिशन तीसरे चरण में खराबी के कारण रॉकेट अपने निर्धारित कक्षा में नहीं पहुँच पाया और उपग्रहों से इसका संपर्क टूट गया, जिससे मिशन आंशिक रूप से विफल हो गया। इस मिशन को इसरो की वाणिज्यिक शाखा श न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड श (एन एस आई एल) के द्वारा संचालित किया जा रहा था। इस मिशन के लॉन्च के कुछ ही मिनटों बाद, पी एस एल वी–सी 62 के तीसरे चरण में एक तकनीकी खराबी आ गई, जिससे रॉकेट का उड़ान पथ बदल गया और वह उपग्रहों को उनकी सही कक्षा में स्थापित नहीं कर सका। इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) इस मिशन की असफलता को परख रहा है। काबिल ए गौर है कि इस मिशन को भारत के 2026 के अंतरिक्ष अभियानों के प्रारंभ के रूप में देखा जा रहा था और सैटेलाइट रिफ्यूलिंग जैसी नई तकनीकों का प्रदर्शन करने वाला था। इसका उद्देश्य कृषि, पर्यावरण निगरानी और रणनीतिक उद्देश्यों के लिए डेटा एकत्र करना भी था।

गौरफर्मा है कि पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल – सी 62) मिशन का मुख्य उद्देश्य ई ओ एस – एन 1 (अन्वेषा) नामक एक उन्नत पृथ्वी अवलोकन उपग्रह (अर्थ ऑब्जर्वेशन सेटेलाइट) और 14 अन्य छोटे उपग्रहों (पेलोड) को सफलतापूर्वक सूर्य–तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित करना था, ताकि कृषि, पर्यावरण निगरानी और रणनीतिक उद्देश्यों के लिए डेटा एकत्र किया जा सके।

जहां तक अंतरराष्ट्रीय सहयोग की बात है तो इस मिशन के तहत फ्रांस, नेपाल, ब्राजील और यूके जैसे देशों के उपग्रहों सहित कुल 14 सह–यात्री उपग्रहों को भी कक्षा में स्थापित किया जाना था, जो भारत के वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षेत्र (एन एस आई एल) के लिए महत्वपूर्ण था।कहना यह भी है कि यह मिशन भारत के दूरसंवेदीकरण और अंतरिक्ष निगरानी क्षमताओं को मजबूत करता, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमावर्ती निगरानी में मदद मिलती। किंतु यह मिशन असफल रहा। आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि हमारे देश के वैज्ञानिक निकट भविष्य में इस अभियान को सफल बनाएंगे।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

विज्ञान, संस्कृति और आस्था का संगम मकर संक्रांति

इस पर्व को आध्यात्मिक और वैज्ञानिक बोध का एक समग्र सेतु कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। अब पश्चिम के लोग भी इस बात को स्वीकारते हैं कि मकर संक्रांति हमें, यानी इंसानों को, 'कॉस्मिक क्लॉक' से जोड़ती है। इसलिए कई लोग मकर संक्रांति को पर्वों का विशिष्ट वैज्ञानिक पर्व भी मानते हैं। मकर संक्रांति महज एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि कालगणना का वैज्ञानिक विवेक, खगोलशास्त्र की दूरदृष्टि और सनातन संस्कृति की त्रिवेणी है। वास्तव में मकर संक्रांति वह क्षण है, जब सूर्य खगोलीय दृष्टि से अपनी यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ लेता है। भारतीय सभ्यता इसे उत्सव, आहार और जीवनदृष्टि से जोड़कर देखती है। 21वीं सदी का वैज्ञानिक मन जब इसे उल्लासबोध से सेलिब्रेट करता है, तो वह किसी अंधविश्वास को नहीं बल्कि अत्यंत सूक्ष्म वैज्ञानिकबोध का सम्मान करता है। क्योंकि मकर संक्रांति वैज्ञानिक समझ और प्रकृति के साथ सामंजस्य का संगम है। मकर संक्रांति गणित और खगोल दृष्टि से उस दिन को संबोधित होती है, जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है और उसकी गति दक्षिणायण से उत्तरायण की ओर मुड़ती है। यह घटना वास्तव में पृथ्वी के अक्षीय झुकाव (लगभग 23.50 डिग्री) और सूर्य के सापेक्ष पृथ्वी की स्थिति से जुड़ी है। सूर्य के उत्तरायण होते ही दिन धीरे–धीरे लंबे और रातें छोटी होने लगती हैं। आधुनिक विज्ञान इसे ऋतु परिवर्तन और सौर वितरण में वृद्धि से जोड़ता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि जब आधुनिक विज्ञान का दूर–दूर तक कहीं पता नहीं था, भारत में तब भी यानी आज के हजारों वर्ष पहले भी मकर संक्रांति का यही महत्व और यही सम्मान था। वास्तव में पूरी दुनिया में इस तिथि को एक पर्व और संस्कृति के संगम के रूप में चिन्हित करने और उत्सव मनाने की परंपरा सिर्फ भारत में ही है। भारतीयों को ही इस वैज्ञानिक घटनाक्रम की पूर्णता के साथ समझ थी। 21वीं सदी का पोषण विज्ञान मकर संक्रांति के मौके पर भारतीयों के आहार चयन को देखकर चकित रह जाता है। इस दिन परंपरा के मुताबिक भारतीय काले तिल, जो कि ओमेगा–6, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इसी तरह इस दिन खाया जाने वाला गुड़ आयरन, मिनरल और प्राकृतिक ऊर्जा का स्रोत होता है। मतलब साफ है कि शीत ऋतु में शरीर को ऊष्मा और ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जिसकी पूर्ति के लिए हजारों साल पहले हमारे पूर्वजों ने तिल और गुड़ का चयन किया था। आज पोषण विज्ञान के महारत लोग जानते हैं कि इन चीजों की बदौलत इस ऋतु में हमारा मेटाबॉलिज्म न केवल संतुलित बल्कि बेहद सक्रिय रहता है और जोड़ों व त्वचा तथा प्रतिरक्षा प्रणाली को लाभ पहुंचाता है। भारतीय परंपरा में एक लोककथन यानी कहावत है 'तिल गुड़ खाओ, मीठा मीठा बोलो'। वास्तव में पोषण वैज्ञानिक यह जानकर हैरान हैं कि कैसे आधुनिक विज्ञान से पहले हमारी परंपरा निर्धारित करने वाले पूर्वज आहार और व्यवहार की यह वैज्ञानिक समझ रखते थे।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का जीवंत प्रतीक है काशी-तमिल संगमम

कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर मना रहे हैं। इस क्षण का साक्षी बनने के लिए देश के कोने–कोने से लोग सोमनाथ पहुंचे। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतवर्ष के लोग जहां अपने इतिहास और संस्कृति से गहराई से जुड़े हैं, वहीं कभी हार ना मानने वाला साहस भी उनके जीवन की एक बड़ी विशेषता है। यही भावना उन्हें एक साथ जोड़ती भी है। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र–तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी–तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसलिए मैंने तय किया कि क्यों ना इस विषय पर अपने कुछ विचार साझा करूं। 'मन की बात' के एक एपिसोड के दौरान मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा ना सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। यह हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी हुई है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्त्व है। इस पहलू से भी काशी–तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है। इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं यह भी पता चलता है कि कैसे हम एक दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं। काशी तमिल संगमम के आयोजन के लिए काशी सबसे उपयुक्त स्थान कहा जा सकता है। यह वही काशी है, जो अनादि काल से हमारी सभ्यता की धुरी बनी हुई है। यहां हजारों वर्षों से लोग ज्ञान, जीवन के अर्थ और मोक्ष की खोज में आते रहे हैं। काशी का तमिल समाज और संस्कृति से अत्यंत गहरा नाता रहा है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु में रामेश्वरम तीर्थ है। तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुपर स्वामिजि ने अपनी विद्वता और आध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच एक सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया था। तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा। यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली। यहीं पर स्वतंत्र और अखंड भारत की उनकी संकल्पना को एक स्पष्ट दिशा मिली। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो काशी और तमिलनाडु के बीच गहरे आत्मीय संबंध को दर्शाते हैं। वर्ष 2022 में वाराणसी की धरती पर काशी–तमिल संगमम की शुरुआत हुई थी। मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। तब तमिलनाडु से आए लेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए थे। इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया। इसका उद्देश्य यह था कि संगमम में समय–समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं और इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो। प्रयास यह था कि ये आयोजन अपनी मूल भावना से जुड़े रहकर भी निरंतर आगे बढ़ता रहे। वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि यह सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा ना बने। इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर विशेष फोकस रखा गया। इसके साथ ही शैक्षिक संवादों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और संवाद सत्रों में लोगों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। हजारों लोग इनका हिस्सा बने। काशी–तमिल संगमम का चौथा संस्करण 2 दिसंबर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम बहुत रोचक थी– तमिल करकलम् यानि तमिल सीखें....। इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को खूबसूरत तमिल भाषा सीखने का एक अनूठा अवसर मिला। तमिलनाडु से आए शिक्षकों ने काशी के विद्यार्थियों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया! इस बार कई और विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। पूरे आयोजन के दौरान नमो घाट पर प्रदर्शनियां लगाई गईं, बीएचयू में शैक्षणिक सत्र का आयोजन हुआ, साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। काशी–तमिल संगमम में इस बार जिस चीज ने मुझे सबसे अधिक प्रसन्नता दी, वो हमारे युवा साथियों का उत्साह है। इससे अपनी जड़ों से और अधिक जुड़े रहने के उनके पैशन का पता चलता है। उनके लिए ये एक ऐसा अद्भुत मंच है, जहां वे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। संगमम के अलावा काशी की यात्रा भी यादगार बने, इसके लिए विशेष प्रयास किए गए। भारतीय रेल ने लोगों को तमिलनाडु से उत्तर प्रदेश ले जाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाईं। इस दौरान कई रेलवे स्टेशनों पर, विशेषकर तमिलनाडु में उनका खूब उत्साह बढ़ाया गया। सुंदर गीतों और आपसी चर्चाओं से ये सफर और आनंददायक बन गया। यहां मैं काशी और उत्तर प्रदेश के अपने भाइयों और बहनों की सराहना करना चाहूंगा, जिन्होंने काशी–तमिल संगमम को विशेष बनाने में अपना अद्भुत योगदान दिया है। उन्होंने अपने अतिथियों के स्वागत और सत्कार में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी। कई लोगों ने तमिलनाडु से आए अतिथियों के लिए अपने घरों के दरवाजे तक खोल दिए। स्थानीय प्रशासन भी चौबीसों घंटे जुटा रहा, ताकि मेहमानों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। वाराणसी का सांसद होने के नाते मेरे लिए ये गर्व और संतोष दोनों का विषय है। इस बार काशी–तमिल संगमम का समापन समारोह रामेश्वरम में आयोजित किया गया, जिसमें तमिलनाडु के सपूत उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जी भी मौजूद रहे। उन्होंने इस कार्यक्रम को अपने विचारों से समृद्ध बनाया। भारतवर्ष की आध्यात्मिक समृद्धि पर बल देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे इस तरह के मंच राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। काशी–तमिल संगमम का बहुत गहरा प्रभाव देखने को मिला है। इसके जरिए जहां सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिली है, वहीं शैक्षिक विमर्श और जनसंवाद को भी काफी बढ़ावा मिला है। इससे हमारी संस्कृतियों के बीच संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। इस मंच ने श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश की भावना को आगे बढ़ाया है, इसलिए आने वाले समय में हम इस आयोजन को और वाइब्रेंट बनाने वाले हैं। ये वो भावना है, जो शताब्दियों से हमारे पर्व–त्योहार, साहित्य, संगीत, कला, खान–पान, वास्तुकला और ज्ञान–पद्धतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। वर्ष का यह समय हर देशवासी के लिए बहुत ही पावन माना जाता है। लोग बड़े उत्साह के साथ संक्रांति, उत्तरायण, पोंगल, माघ बिहू जैसे अनेक त्योहार मना रहे हैं। ये सभी उत्सव मुख्य रूप से सूर्यदेव, प्रकृति और कृषि को समर्पित हैं। ये त्योहार लोगों को आपस में जोड़ते हैं, जिससे समाज में सद्भाव और एकजुटता की भावना और प्रगाढ़ होती है। इस अवसर पर मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि इन उत्सवों के साथ हमारी साझी विरासत और सामूहिक भागीदारी की भावना देशवासियों की एकता को और मजबूत करेगी।

कोशिकाओं से चिप पर बन रहे हैं मानव अंग

विज्ञानी अब कश्वर्टेक्स के इस मश्वडल का उपयोग यह पता लगाने के लिए कर सकते हैं कि बीमारियां कैसे विकसित होती हैं, मस्तिष्क तरंगें ध्यान को कैसे प्रभावित करती हैं, या दौरे मस्तिष्क में कैसे फैलते हैं। पहले, इस तरह के अध्ययनों के लिए वास्तविक जैविक ऊतक की आवश्यकता होती थी और एक समय में केवल एक ही प्रयोग किया जा सकता था। अब शोधकर्ता आभासी ...

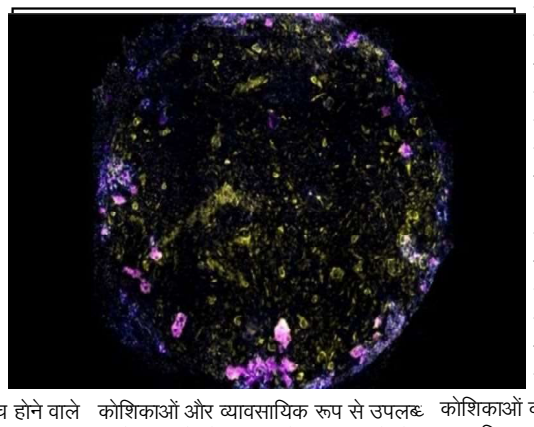

इंग्लैंड के फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट और स्विस कंपनी, एल्वियोलिक्स के शोधकर्ताओं ने सिर्फ एक व्यक्ति से ली गई स्टेम कोशिकाओं का इस्तेमाल करके चिप पर मानव फेफड़े का पहला मॉडल विकसित किया है। ये चिप एक व्यक्ति में सांस लेने की गति और फेफड़ों की बीमारी को उत्पन्न करते हैं, जिससे टीबी जैसे संक्रमण के इलाज का परीक्षण करने और व्यक्ति विशेष दवा देने की उम्मीद जगी है। मनुष्य के रोगों को बेहतर ढंग से समझने और उनका प्रभावी उपचार खोजने के लिए वैज्ञानिक निरंतर नए तरीके विकसित कर रहे हैं। कुछ वैज्ञानिक इंसानी कोशिकाओं से चिप पर शरीर के अंग उगा रहे हैं जबकि कुछ रिसर्चर अंगों के डिजिटल संस्करण बनाने की चेष्टा कर रहे हैं। इंग्लैंड के फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट और स्विस कंपनी, एल्वियोलिक्स के शोधकर्ताओं ने सिर्फ एक व्यक्ति से ली गई स्टेम कोशिकाओं का इस्तेमाल करके चिप पर मानव फेफड़े का पहला मॉडल (लंग–ऑन–चिप) विकसित किया है। ये चिप एक व्यक्ति में सांस लेने की गति और फेफड़ों की बीमारी को उत्पन्न करते हैं, जिससे टीबी जैसे संक्रमण के इलाज का परीक्षण करने और व्यक्ति विशेष दवा देने की उम्मीद जगी है। दरअसल, फेफड़ों में एल्वियोली नामक हवा की थैली गैस के आदान–प्रदान के लिए आवश्यक जगह होती है और साथ ही यह थैली सांस से अंदर जाने वाले वायरस और बैक्टीरिया के खिलाफ अवरोधक का भी काम करती है। ये रोगाणु फ्लू या टीबी जैसी सांस की बीमारियां पैदा करते हैं। शोधकर्ता चिप पर फेफड़े बनाकर प्रयोगशाला में मानव

कोशिकाओं और बैक्टीरिया के बीच होने वाले द्वंद्व को पुनर्निर्मित कर रहे हैं। प्लास्टिक की इस चिप पर मानव फेफड़ों की छोटी इकाइयां हैं जिनमें छोटी–छोटी नलियां और कम्पार्टमेंट होते हैं। इस मामले में, उनका मकसद हवा की थैलियों को फिर से बनाना था ताकि यह समझा जा सके कि वे संक्रमण पर कैसे प्रतिक्रिया करती हैं। अभी तक ये लंग ऑन–चिप डिवाइस मरीज से ली गई कोशिकाओं और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध कोशिकाओं के मिश्रण से बनाए जाते थे। इस तरह के चिप किसी एक व्यक्ति के फेफड़ों के काम या बीमारी की प्रगति को पूरी तरह से दोहरा नहीं सकते थे। इस अध्ययन में क्रिक की टीम ने चिप पर फेफड़े का एक नया मॉडल विकसित किया है, जिसमें सिर्फ एक डोनर की स्टेम कोशिकाओं से ली गई आनुवंशिक रूप से एक जैसी कोशिकाएं होती हैं। प्रयोगशाला द्वारा पहले विकसित की गई एक विधि के आधार पर शोधकर्ताओं ने प्लोरिपोटेंट (बहुक्षमता) स्टेम कोशिकाओं से 'एल्वियोलर एपिथेलियल' कोशिकाएं और 'वैस्कुलर एंडोथेलियल' कोशिकाएं बनाईं। ये ऐसी कोशिकाएं हैं जो शरीर में किसी भी कोशिका में विकसित हो सकती हैं। इन एपिथेलियल और एंडोथेलियल कोशिकाओं को एक बहुत पतली झिल्ली के ऊपर और नीचे अलग–अलग उगाया जाता है ताकि हवा की थैली के अवरोध को पुनर्निर्मित किया जा सके। इसके बाद, वैज्ञानिकों ने चिप में मैक्रोफेज नामक इम्यून कोशिकाएं डालीं, जिन्हें उसी डोनर की स्टेम कोशिकाओं से बनाया गया था। चिप में बीमारी के शुरुआती चरण निर्मित करने के लिए उन्होंने टीबी के बैक्टीरिया डाले। टीबी से संक्रमित चिप में टीम ने बड़े मैक्रोफेज समूह देखे। संक्रमण के पांच दिन बाद, एंडोथेलियल और एपिथेलियल कोशिकाओं के अवरोध टूट गए, जिससे पता चला कि हवा की थैली का फंक्शन खराब हो गया था। इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक मैक्स गुटिरेज ने कहा कि आज ऐसी तकनीकों की मांग बढ़ रही है जिनमें जानवरों के अंगों का प्रयोग नहीं होता। ऑर्गन–ऑन–चिप जैसे तरीके प्रयोगशाला में इंसानी सिस्टम को फिर से बनाने के लिए जरूरी होते जा रहे हैं क्योंकि जानवरों और इंसानों के बीच फेफड़ों की संरचना, इम्यून कोशिकाओं की बनावट और बीमारी के विकास में अंतर होता है। नई चिप से हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि टीबी जैसे संक्रमण किसी व्यक्ति पर कैसे असर डालेंगे। साथ ही यह टेस्ट भी किया जा सकेगा कि एंटीबायोटिक्स जैसे उपचार कितने प्रभावी हैं। वैज्ञानिकों के अन्य दल ने चूहे के मस्तिष्क के कॉर्टेक्स का डिजिटल संस्करण बनाया है। हमारा मस्तिष्क ऊपर से अखरोट की गिरी जैसा दिखता है। इसकी उभरी हुई सिलवटों वाली सतह को सेरिब्रल कॉर्टेक्स कहा जाता है। ज्ञान और स्मृति जैसे अनेक उच्च स्तरीय संज्ञानात्मक कार्य मस्तिष्क के कॉर्टेक्स से जुड़े हुए हैं। दुनिया के वैज्ञानिक कॉर्टेक्स की गहन जांच करके मस्तिष्क की कार्य प्रणाली का अध्ययन करना चाहते हैं। अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं के एक दल ने जापान के शक्तिशाली फुगाकू सुपरकम्प्यूटर का उपयोग करके चूहे के मस्तिष्क के कॉर्टेक्स का एक डिजिटल मॉडल बनाया है, जो अब तक बनाया गया सबसे बड़ा और सबसे वास्तविक मॉडल है। डिजिटल मस्तिष्क एक वास्तविक मस्तिष्क की तरह व्यवहार करता है, जिससे वैज्ञानिक रोग की प्रगति, तंत्रिका गतिशीलता और संभावित उपचारों का अध्ययन कर सकते हैं। जैविक डेटा सेट को शक्तिशाली मॉडलिंग सॉफ्टवेयर के साथ जोड़कर अंतरराष्ट्रीय टीम ने साबित कर दिया है कि बड़े पैमाने पर जैवभौतिक रूप से सटीक मस्तिष्क मॉडल बनाना अब संभव है। चूहे के कॉर्टेक्स का यह पूरी तरह से डिजिटल संस्करण है। यह वैज्ञानिकों को एक आभासी वातावरण में अल्जाइमर या मिर्गी जैसी स्थितियों का पुनर्निर्माण करके मस्तिष्क के काम करने के तरीके का पता लगाने की एक नई विधि प्रदान करता है। वे देख सकते हैं कि क्षति तंत्रिका नेटवर्क के माध्यम से कैसे आगे बढ़ती है।

कामकाजी महिलाएं जरूर अपनाएं ये 5 फैशन टिप्स, हमेशा लगेंगी खूबसूरत

कामकाजी महिलाओं के लिए सही कपड़े चुनना कभी–कभी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऑफिस के माहौल में पेशेवर दिखना और साथ ही आरामदायक महसूस करना जरूरी है। सही कपड़े न केवल आत्मविश्वास बढ़ाते हैं बल्कि पेशेवर छवि भी मजबूत करते हैं। इस लेख में हम कुछ ऐसे फैशन टिप्स साझा करेंगे, जो कामकाजी महिलाओं के लिए मददगार साबित हो सकते हैं और उन्हें हर दिन स्टाइलिश और आत्मविश्वासी बनाए रख सकते हैं।

सही फिटिंग वाले कपड़े पहनें

कपड़ों की फिटिंग सबसे अहम होती है। ढीले या बहुत कसकर फिट होने वाले कपड़े न पहनें क्योंकि ये आपके लुक को बिगाड़ सकते हैं। सही फिटिंग वाले कपड़े न केवल आपको आरामदायक महसूस कराएंगे बल्कि पेशेवर छवि भी देंगे। अगर आपके पास सही साइज के कपड़े नहीं हैं तो उन्हें सिलवा लें या फिर सही साइज के कपड़े खरीदें। ध्यान रखें कि आपके कपड़े आपके शरीर के आकार के अनुसार होने चाहिए।

रंगों का चयन सोच–समझकर करें: रंगों का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे पेशेवर दिखें और आपके व्यक्तित्व को उभारें। काले, नीले, भूरे जैसे रंग ऑफिस के लिए बेहतरीन होते हैं क्योंकि ये गंभीरता और पेशेवरता का एहसास दिलाते हैं। हालांकि, आप चाहें तो हल्के पेस्टल रंग भी चुन सकती हैं, जो ताजगी और नयापन लाते हैं। इसके अलावा आप अपने कपड़ों में छोटे–छोटे रंगीन एक्सेंट जोड़ सकती हैं, जैसे कि दुपट्टा या बेल्ट, जो आपके लुक को खास बनाएंगे।

कपड़ों की गुणवत्ता पर ध्यान दें

कपड़ों की गुणवत्ता बहुत जरूरी होती है। सस्ते कपड़े जल्दी खराब हो जाते हैं और उनका लुक भी अच्छा नहीं लगता। इसलिए हमेशा अच्छी गुणवत्ता वाले कपड़े ही खरीदें। सूती, लिनेन और ऊनी कपड़े सबसे अच्छे विकल्प होते हैं क्योंकि ये लंबे समय तक चलते हैं और आरामदायक भी होते हैं। इसके अलावा इनकी देखभाल करना भी आसान होता है। अच्छे कपड़ों का चुनाव आपके पेशेवर लुक को निखारता है और आपको आत्मविश्वासी बनाता है।

एक्सेसरीज का सही उपयोग करें

एक्सेसरीज आपके लुक को पूरा करती हैं इसलिए इन्हें नजरअंदाज न करें। हालांकि, एक्सेसरीज चुनते समय संतुलन बनाए रखें ताकि आपका लुक ज्यादा बनावटी न लगे। छोटे कान की बालियां, एक साधारण घड़ी और एक अच्छी गुणवत्ता वाला हैंडबैग आपके लुक को खास बनाएंगे। इसके अलावा आप हल्के गहनों का भी चयन कर सकती हैं, जो आपके व्यक्तित्व को उभारेंगे और आपको आत्मविश्वासी बनाए रखेंगे। सही एक्सेसरीज आपके पेशेवर लुक को निखारती हैं।

फुटवियर्स का चयन सोच–समझकर करें

फुटवियर्स का चयन करते समय आरामदायक होने के साथ–साथ स्टाइलिश भी होना चाहिए। हाई हील्स फुटवियर्स पहनना चाहती हैं तो मध्यम ऊंचाई वाले चुनें जो पूरे दिन पहनने योग्य हों। फ्लैट फुटवियर्स भी अच्छे विकल्प होते हैं क्योंकि ये आरामदायक होते हैं और चलने में कोई दिक्कत नहीं होती। इसके अलावा आरामदायक सैंडल्स भी पहन सकती हैं, जो आरामदायक और स्टाइलिश दोनों होते हैं। सही फुटवियर्स का चयन आपके पूरे लुक को संतुलित करता है।

गोवा में 2025 में 1.08 करोड़ सैलानी पहुंचे, विदेशी पर्यटकों की संख्या पांच लाख के पार

वर्ष 2025 में पांच लाख विदेशियों सहित लगभग 1.08 करोड़ पर्यटक गोवा पहुंचे। राज्य के पर्यटन मंत्री रोहन खौंटे ने रविवार को कहा कि गोवा सरकार का ध्यान गुणवत्तापूर्ण पर्यटन को बढ़ावा देने, बाजारों में विविधता लाने और तटीय राज्य के पुनर्योजी पर्यटन को आगे बढ़ाने पर है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पर्यटन का लाभ स्थानीय समुदायों, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक रूप से मिले। राज्य पर्यटन विभाग ने रविवार को बताया कि 2025 में गोवा में 1,02,84,608 घरेलू पर्यटक और 5,17,802 विदेशी पर्यटक आए, जिससे कुल पर्यटकों की संख्या 1,08,02,410 हो गई। विभाग ने कहा कि चार्टर उड़ानों के जरिए आने वाले विदेशी पर्यटकों ने गोवा के पर्यटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आंकड़ों के मुताबिक अपने खूबसूरत समुद्र तटों के लिए मशहूर गोवा में पर्यटकों की संख्या पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ी है। राज्य में 2017 में 68,95,234 घरेलू पर्यटक और 8,90,459 विदेशी पर्यटक आए थे। गोवा में 2024 में 266 चार्टर उड़ानें आईं, जिनमें 58,680 विदेशी पर्यटक सवार थे।

कार्तिक आर्यन की नागजिला में नहीं होगी जल्दबाजी, करण जौहर रखेंगे फूंक–फूंककर कदम

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अभिनीत फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी 25 दिसंबर, 2025 को रिलीज हुई थी। धुरंधर की सफलता से बिना डरे निर्माता करण जौहर ने इसे सिनेमाघरों में उतारा था, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई। फिलहाल कार्तिक और करण अगली फिल्म नागजिला के लिए साथ जुटे हैं जिसकी घोषणा हो चुकी है। अपडेट है कि 14 अगस्त को रिलीज होने वाली यह फिल्म कुछ समय के लिए टल सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म निर्माता नागजिला की रिलीज तारीख को आगे खिसकाने पर विचार कर रहे हैं। ऐसी अटकलें हैं कि तू मेरी मैं तेरा... के बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन को देखते हुए यह कदम उठाया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नागजिला की शूटिंग अभी जारी है। एक सूत्र ने कहा, शूटिंग कुछ दिनों में पूरी होने की उम्मीद है। यह ऐसी फिल्म है जिसमें वीएफएक्स का भरपूर इस्तेमाल है। नतीजतन, पोस्ट–प्रोडक्शन में काफी समय लगेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, करण और कार्तिक दोनों ही पोस्ट प्रोडक्शन में जल्दबाजी नहीं करना चाहते। उन्हें पता है कि नागजिला बहुत खास फिल्म है। इसे सिनेमाघरों में उतारने से पहले ठीक तरह से तैयार करना जरूरी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निर्माता फिल्म के लिए नई रिलीज तारीख की तलाश कर रहे हैं। तारीख तय होने के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी। नागजिला का निर्देशन फुकरे फ्रैंचाइजी वाले मृगदीप सिंह लांबा कर रहे हैं।

राहु केतु का जलवा सिर्फ दर्शकों तक सीमित नहीं, अमिताभ बच्चन, सलमान खान, संजय दत्त समेत इंडस्ट्री ने भी बरसाया प्यार

राहु केतु इस वक्त पूरे फुल फॉर्म में है और फिल्म इंडस्ट्री ने भी इस पर नोटिस लेना शुरू कर दिया है। जैसे ही ट्रेलर रिलीज हुआ, माइथोलॉजी और कॉमेडी का ये हटके कॉम्बिनेशन सोशल मीडिया पर छा गया। दमदार गाने हों, दिलचस्प टीजर या फिर एक बिल्कुल नई और अनदेखी दुनियाकृराहु केतु हर वजह से ट्रेंड कर रही है। ऊपर से अलग–अलग शहरों में हुए कॉलेज विजिट्स ने एक्साइटमेंट को और भी हाई कर दिया है, ये साबित करते हुए कि राहु केतु को लेकर पागलपन बिल्कुल रियल है। लेकिन ये प्यार सिर्फ ऑडियंस और फैंस तक ही सीमित नहीं है। फिल्म को इंडस्ट्री के दिग्गजों से भी भरपूर शुभकामनाएं मिल रही हैं।

अमिताभ बच्चन, सलमान खान और संजय दत्त जैसे बड़े नामों ने टीम को बधाइयां दी हैं।

इनके साथ अली फजल और ऋत्विक धनजानी ने भी अपना सपोर्ट भेजा है, जिससे फिल्म को लेकर बढ़ती एक्साइटमेंट और मजबूत हो गई है।

वरुण शर्मा, पुलकित सम्राट और शालिनी पांडे की तिकड़ी के साथ, फिल्म ह्यूमर, अफरा–तफरी और चार्म का फ्रेश डोज देने का वादा करती है। विपुल विग के डायरेक्शन डेब्यू वाली इस फिल्म में चंकी पांडे, अमित सियाल, मनु ऋषि चड्ढा और सुमित गुलाटी जैसे दमदार कलाकार भी हैं, जो राहु केतु की दुनिया को और भी रंगीन, लेयर्ड और जबरदस्त एंटरटेनिंग बनाते हैं। लगातार बढ़ता बज और हाई लेवल एक्साइटमेंट ये साफ कह रहा है कि राहु केतु इस सीजन की सबसे ज़्यादा इंतजार की जाने वाली एंटरटेनर फिल्मों में से एक बनने वाली है।

जी स्टूडियोज की प्रस्तुति, जी स्टूडियोज और बीलाइव प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, राहु केतु 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरोंह्व में दस्तक दे रही है। अपनी पूरी गैंग रेडी रखिए और बड़े पर्दे पर इस पागलपन का मजा लीजिए।

अमेरिका के ड्रामे पर भड़का भारत, ट्रंप के चमचे को तबीयत से धोया

भारत और अमेरिका पिछले साल 13 फरवरी से ही एक द्विपेक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध थे। तब से दोनों पक्षों ने एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापारिक समझौते पर पहुंचने के लिए कई दौर की बातचीत की है। अमेरिका लगातार भारत के साथ विवाद कर रहा है। पहले तो उसने टेरिफ लगाया। रशिया से दोस्ती उसके आंखों में गढ़ने लगी तो उसने और 25: टेरिफ लगा दिया। यह टैरिफ 50: हो गया। उसके बाद ट्रंप गाए बगाहे ऐसा बयान देते हैं जिससे भारत नाराज होता है। भारत की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने की कोशिश करते हैं। हाल में भी उन्होंने कहा कि भारत जो है वो उनसे मिलने के लिए प्लीज प्लीज कर रहा था। उनका यह भी दावा है कि भारत 68 अपाचे का आर्डर दे चुका है। 5 साल से नहीं मिल रहा था। जबकि वह आंकड़ा महज 28 अपाचे का है। तो यह तो इस तरह से माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अब क्या हुआ है कि एक ऐसा बयान दिया गया है जिस पर भारत भड़का है। भारत भड़का है तो उसने अमेरिका को आईना दिखा दिया है। दरअसल भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर जो विवाद उपजा है उसको लेकर भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से स्थिति स्पष्ट की गई है। भारत ने अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक के बयान को श्गलतश बता खारिज किया है। लुटनिक ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि दोनों देशों में ट्रेड डील पिछले साल इसलिए नहीं हो सकी क्योंकि पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को फोन नहीं किया। कहा था कि भारत–अमेरिका में ट्रेड डील पर बातचीत का निर्णय पिछले साल 13 फरवरी की बाइट हाउस में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की बैठक में लिया गया था। डील की तैयारी पूरी थी और उन्होंने (लटनिक) भारत से कहा था, आपको (पीएम मोदी) राष्ट्रपति को फोन करना होगा।श उनके अनुसार, भारत ऐसा करने में सहज नहीं था और पीएम मोदी ने फोन नहीं किया। इसके बाद अमेरिका ने इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम से डील कर ली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2025 में आठ मौकों पर फोन पर बात की थी, जिसमें संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई थी। जायसवाल ने कहा कि भारत–अमेरिका पिछले साल 13 फरवरी को ही डील पर बातचीत के लिए प्रतिबद्धः थे। कई मौकों पर हम सौदे के काफी करीब थे। इस बीच, शुक्रवार देर शाम भारत में नियुक्त अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर नई दिल्ली पहुंचे। गोर सोमवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से मुलाकात करेंगे।

डील को फोन कॉल से जोड़ना वास्तविकता से परे

लटनिक का दावा गले नहीं उतरता। इंडोनेशिया, वियतनाम और फिलीपींस से अमेरिकी डील जुलाई 2025 में पूरी हो गई थी। वॉशिंगटन ने जुलाई में ही तय कर लिया था कि केवल इसलिए डील नहीं होगी, क्योंकि पीएम मोदी ने फोन नहीं किया, तो महीनों बाद भी बातचीत जारी रखने का कोई कारण नहीं होता। डील नीतिगत बातचीत का हिस्सा है। इसे नेताओं के फोन कॉल से जोड़ना वास्तविकता से परे है। ट्रेड डील अनसुलझे नीतिगत मतभेदों जैसे टैरिफ, एग्रीकल्थर, रेगुलेटरी ऑटोनॉमी पर निर्भर करती हैं, न कि शिष्टाचार पर।

पहले गोली चलेगी, फिर होगी बात! इस देश ने ट्रंप को दी सीधी चेतावनी

अमेरिका और डेनमार्क के बीच ग्रीनलैंड को लेकर तनाव इस कदर बढ़ गया कि डेनमार्क ने अपनी सेना को सीधा और खौफनाक आदेश दे दिया। अगर कोई घुसपैठ हुई तो कमांडर्स के आदेश का इंतजार मत करना। सीधे गोली चला देना। जी हां, डेनमार्क ने अमेरिका को साफ चेतावनी दे दी है कि ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोई भी कोशिश नेटो के खात्मे की शुरुआत होगी। डेनमार्क के रक्षा मंत्रालय ने अपने रुख को शीशे की तरह साफ कर दिया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक डेनमार्क ने अपने उस 1952 के आदेश को फिर से जिंदा कर दिया है जो नाजी जर्मनी के हमले के वक्त बनाया गया था। यह आदेश कहता है कि अगर कोई विदेशी ताकत डेनिश इलाके को धमकी देती है तो

सैनिकों को ऊपर से आदेश मिलने का इंतजार नहीं करना है बल्कि तुरंत जंग शुरू करनी है। डेनमार्क की जॉइंट आर्कटिक कमांड अब यह तय करेगी कि ग्रीनलैंड में अमेरिकी सेना की किस हलचल को हमला माना जाएगा और कब ट्रिगर दबाना है। अब एक सवाल कि आखिर यह विवाद शुरू कहां से हुआ। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नजरें लंबे समय से ग्रीनलैंड की रणनीतिक खनिज और उसकी लोकेशन पर टिकी है। ट्रंप ने बार–बार धमकी दी है कि अगर जरूरत पड़ी तो वह इस द्वीप पर जबरदस्ती कब्जा कर लेंगे। ट्रंप का तर्क है कि वहां रूसी और चीनी जहाजों की मौजूदगी अमेरिका की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। कल ही अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वांस ने भी आग में घी डालते हुए कहा कि डेनमार्क आर्कटिक इलाके की सुरक्षा करने में फेल रहा है और दुनिया की रक्षा के लिए अमेरिका को वहां मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए कब्जा करना जरूरी है। डेनमार्क के प्रधानमंत्री ने अमेरिका को सख्त लहजे में कहा है कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका अपने ही नेटो सहयोगी देश पर सैन्य हमला करता है तो सब कुछ रुक जाएगा। यानी नेटो जैसा संगठन पल भर में इतिहास बन जाएगा। डेनमार्क का यह बयान बताता है कि यूरोप अब अमेरिका की दादागिरी के आगे घुटने नहीं टेकने वाला। अब एक सवाल कि क्या ट्रंप ग्रीनलैंड के लिए वाकई एक युद्ध छेड़ेगी? और क्या डेनमार्क की छोटी सी सेना दुनिया की सबसे बड़ी सैन्य शक्ति को रोकने का दम रखती है? यह सवाल अब पूरी दुनिया को डरा रहा है। एक बात तय है अगर अटलांटिक की बर्फ पर पहली गोली चली तो उसका शोर वाशिंगटन ही नहीं पूरी दुनिया की शांति को तबाह कर देगा।

श्यामदेउरवा में विक्षिप्त महिला का शव मिलने से सनसनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/परतावल। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब सात बजे एक 40 वर्षीय विक्षिप्त महिला

का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शव सामुदायिक शौचालय के पास सड़क किनारे पड़ा मिला। सुबह टहलने निकले ग्रामीणों ने शव देखा तो इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार महिला के गले में लाल धागा बंधा था, जिसमें दो चाबियां और एक काला धागा भी लगा हुआ था। शव पर चोट के निशान पाए गए हैं। महिला के दाहिने पैर का अंगूठा कटा हुआ था, दाहिने ललाट पर चोट के निशान थे, जबकि बाएं हाथ पर खरोंचें दिखाई दीं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया है। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बताया कि मृतका की शिनाख्त के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस दुर्घटना समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

एमडीएम घोटाला: 11 करोड़ के गबन में तीन और आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। मध्यान्ह भोजन योजना (एमडीएम) में

11 करोड़ रुपये से अधिक के सरकारी धन के गबन के मामले में कोतवाली नगर पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले इस प्रकरण में नौ आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने सरकारी पोर्टल पर आंकड़ों में हेरफेर कर स्कूलों के खातों में रकम बढ़ा–घटाकर घोटाले को अंजाम दिया। यह कार्रवाई जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शुभम शुक्ला की तहरीर पर दर्ज मुकदमा संख्या 297/2025 के तहत की गई है, जिसमें धारा 409, 467, 468, 471, 120बी और 201 के तहत केस दर्ज है। मामले में डीसी एमडीएम फिरोज अहमद खान समेत कुल 45 लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय और क्षेत्राधिकारी नगर ज्योति श्री के पर्यवेक्षण में कोतवाली नगर पुलिस टीम ने दबिश देकर वकील अहमद नूरी (घैसहवा), मोहम्मद मुख्तार (मध्यनगर) और मोहम्मद नजीर (बरगदवा वार्ड नंबर–1) को गिरफ्तार किया। तीनों थाना पचपेड़वा क्षेत्र के निवासी हैं। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

तहसीलदार मीना गोंड का प्रयास लाया रंग, 24 घंटे के अंदर वरासत की प्रक्रिया पूरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

कैसरगंज/बहराइच। ही निःशुल्क प्रमाणित उद्धरण आमजन को त्वरित न्याय और राहत देने की दिशा में तहसील

प्रशासन ने सराहनीय पहल की है। तहसीलदार मीना गोंड की सक्रियता और प्रभावी नेतृत्व में राजस्व ग्राम कड़सर विटौरा के खाता संख्या 515, 516 व 185 में दर्ज खातेदार रामदास पुत्र हरिप्रसाद की मृत्यु के बाद महज 24 घंटे के भीतर वरासत की प्रक्रिया पूरी कर दी गई। तहसीलदार मीना गोंड के निर्देश पर राजस्व टीम ने संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए मृतक के वारिसान अनावश्यक दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। वरासत की प्रमाणित खतौनी क्षेत्रीय लेखपाल पवन कुमार द्वारा मृतक की पुत्रवधू अल्पना सैनी को सौंपी गई। तहसीलदार मीना गोंड ने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र नागरिकों को समयबद्ध और पारदर्शी सेवाएं देना प्रशासन की प्राथमिकता है। तहसील प्रशासन की इस त्वरित, मानवीय और पारदर्शी कार्रवाई से क्षेत्रीय लोगों में संतोष व्याप्त है और तहसीलदार मीना गोंड की (नाबालिग पौत्र) के पक्ष में कार्यशैली की सराहना की जा वरासत दर्ज की। इसके साथ रही है।

दो और नए परिवार नियोजन काउंसलिंग कॉर्नर की होगी शुरुआत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले में परिवार नियोजन और मातृ–शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए अब गैर–'उम्मीद' ब्लॉकों में भी परिवार नियोजन

काउंसलिंग कॉर्नर (एफपीसीसी) की सुविधा शुरू कर दी गई है। इस क्रम में मोबियस फाउंडेशन, स्वास्थ्य विभाग और उम्मीद परियोजना के संयुक्त तत्वावधान में चित्तौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और हजूरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नए एफपीसीसी का शुभारंभ किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि इन काउंसलिंग कॉर्नरों का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित परिवार नियोजन, गर्भनिरोधक विकल्पों, प्रजनन स्वास्थ्य और मातृ–शिशु स्वास्थ्य से संबंधित सही व विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध कराना है। "ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार भ्रांतियों और जानकारी की कमी के कारण गलतफहमियाँ भी कम होंगी। इन एफपीसीसी से 15 से 49 वर्ष आयु वर्ग के योग्य दंपतियों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्हें सुरक्षित गर्भनिरोधक विकल्प, परामर्श और आवश्यक जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी, जिससे अनियोजित गर्भधारण में कमी और मातृ–शिशु स्वास्थ्य में सुधार की उम्मीद है। पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि राम बरन यादव ने बताया कि जिले में अब तक उम्मीद ब्लॉकों में 15 एफपीसीसी और नॉन–उम्मीद ब्लॉकों में 3 एफपीसीसी स्थापित हो चुके हैं। इस तरह बहराइच जिले में कुल 18 परिवार नियोजन काउंसलिंग कॉर्नर सक्रिय रूप से संचालित हो रहे हैं, जिससे परिवार नियोजन सेवाओं की पहुँच काफी व्यापक हो गई है। सीएमओ डॉ. संजय शर्मा ने कहा हमारा लक्ष्य है कि हर ब्लॉक और अधिकतम समुदाय तक गुणवत्तापूर्ण परिवार नियोजन सेवाएँ पहुँचें। एफपीसीसी के माध्यम से हम सुरक्षित मातृत्व, स्वस्थ परिवार और जागरूक समाज की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा रहे हैं। परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ नहीं मिल पाता। अब लोगों को उनके नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र में प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों से सीधे काउंसलिंग मिलेगी, जिससे उन्हें समय पर सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी। चित्तौरा और हजूरपुर के एफपीसीसी में प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी नियमित रूप से ओपीडी में आए योग्य दंपति की व्यक्तिगत काउंसलिंग, करेंगे। इससे न केवल जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि परिवार नियोजन को लेकर मौजूद सामाजिक झिझक और

प्रोजेक्ट संवर्धन की प्रगति की भी समीक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी द्वारा विकास खंड श्रीदत्तगंज के ग्राम

कपौआ शेरपुर स्थित पंचायत भवन में संचालित ग्राम स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता दिवस (वीएचएसएनडी) सत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन करना तथा मातृ–शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ–साथ प्रोजेक्ट संवर्धन के अंतर्गत संचालित पोषण संबंधी गतिविधियों की समीक्षा करना रहा। निरीक्षण के दौरान एएनएम ममता द्वारा सत्र में उपस्थित 04 गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच की गई तथा 11 बच्चों का नियमित टीकाकरण किया गया। सीएमओ ने गर्भवती महिलाओं की जांच प्रक्रिया, टीकाकरण रजिस्टर, दवाओं की उपलब्धता एवं लाभार्थियों को दी जा रही परामर्श सेवाओं का निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने प्रोजेक्ट संवर्धन के अंतर्गत बच्चों एवं महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने अतिकुपोषित एवं कुपोषित बच्चों की पहचान, समय पर संदर्भन, पोषण आहार वितरण तथा माताओं को पोषण एवं स्वच्छता संबंधी परामर्श को प्रभावी ढंग से किए जाने के निर्देश दिए। सीएमओ ने मौके पर उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि सभी गर्भवती महिलाओं की समय से प्रसव पूर्व जांच सुनिश्चित की जाए तथा बच्चों का टीकाकरण शत–प्रतिशत लक्ष्य के अनुरूप किया जाए। उन्होंने कहा कि पोषण, स्वच्छता एवं व्यवहार परिवर्तन से जुड़े कार्य प्रोजेक्ट संवर्धन की सफलता की कुंजी हैं। निरीक्षण के समय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीदत्तगंज के अधीक्षक डॉ. आनंद त्रिपाठी, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, आशा कार्यकत्री शारदा एवं सुनीता, आंगनवाड़ी कार्यकत्री रेनू श्रीवास्तव एवं बसंती, सहित सर्वेश गोस्वामी एवं अन्य स्वास्थ्य व सहयोगी कर्मी उपस्थित रहे। सीएमओ ने कहा कि ग्राम स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता दिवस ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम है। प्रोजेक्ट संवर्धन के साथ समन्वय स्थापित कर इन सत्रों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई जा रही हैं, जिससे कुपोषण, एनीमिया एवं मातृ–शिशु मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाने में सहायता मिल रही है।

कागजो में पूरा जमीन पर अधूरा सिद्धार्थ स्पोर्ट्स स्टेडियम में पहला मैच का सुविधाएं नदारद

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। विकास खन्ड इटवा के ग्राम पंचायत बेलहसा सिकरी स्थित नव–निर्मित सिद्धार्थ स्पोर्ट्स स्टेडियम में पहला मैच ग्राम सभा के युवकों द्वारा कराया जा रहा है।लेकिन स्टेडियम की जमीनी हक़ीक़त प्रशासनिक दावों की पोल खोल रही है। न तो पीने के पानी की कोई व्यवस्था है। न ही व्यायाम कक्ष में दरवाजे लगे हैं। जगह–जगह टाइल्स क्षतिग्रस्त है। और मूलभूत सुविधाएं अधूरी पड़ी हैं। बताया जा रहा है कि कुछ महीने पहले जिलाधिकारी राजा गणपति आर के प्रयासों से बने इस स्टेडियम को कागजो में पूरी तरह पूर्ण दर्शा दिया गया है।जबकि हकीकत इससे बिल्कुल उलटा है। सूत्रों की मानें तो स्टेडियम का पूरा बजट पहले ही निकाला जा चुका है। सवाल यह है कि जब निर्माण अधूरा है तो बिना जांच–पड़ताल के भुगतान कैसे हो गया हैरानी की बात यह भी है कि न ग्राम प्रधान मौके पर मौजूद है। न ग्राम सचिव को कोई सरोकार दिख रहा है, और न ही बीडीओ इटवा ने अब तक इस गंभीर मामले पर ध्यान दिया है। जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह मौन हैं। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिस डीएम महोदय के प्रयासों से यह स्टेडियम बना उनके ट्रांसफर होते ही क्या सारी व्यवस्थाएं ठप कर दी गई और सरकारी धन को बंदरबांट कर लिया गया ग्रामीणों का कहना है। कि इस तरह के मामलों पर तत्काल संज्ञान लिया जाना जरूरी है।ताकि सरकारी धन के दुरुपयोग पर रोक लग सके। ग्रामवासियों ने ऐलान किया है कि 17 तारीख को तहसील दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी महोदय को लिखित शिकायत सौंपी जाएगी। अब देखना यह है। कि प्रशासन इस अधूरे स्टेडियम और निकाले जा चुके बजट पर कब और क्या कार्यवाही कर रहे है।

किसान मेले का हुआ आयोजन,किसानों को दी गई योजनाओं व आधुनिक तकनीक की जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के परसपुर क्षेत्रांतर्गत कृषि सूचना तंत्र के तहत विकासखंड स्तरीय

किसान मेले का आयोजन ग्राम पंचायत चंगेरी में किया गया।मेले का शुभारंभ उप कृषि निदेशक गोन्डा प्रेम कुमार ठाकुर द्वारा चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।इस अवसर पर कृषि से जुड़े विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर किसानों को जानकारी प्रदान की गई।सहायक विकास अधिकारी कृषि डॉ. अनूप सिंह चौहान ने वर्तमान समय में फसलों के उत्पादन हेतु आधुनिक तकनीक एवं रबी मौसम की समसामयिक गतिविधियों पर किसानों को विस्तार से जानकारी दी।तकनीकी सहायक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन राजेश मिश्रा ने दलहन एवं तिलहन फसलों के उत्पादन,उत्पादकता बढ़ाने, विपणन तथा मानव जीवन में दलहन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। खंड तकनीकी प्रबंधक रोहित सिंह ने मृदा नमूना ग्रहण करने की विधि एवं मृदा स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में किसानों को अवगत कराया। मुख्य अतिथि उप कृषि निदेशक प्रेम कुमार ठाकुर ने कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं जैसे फार्मर रजिस्ट्री, फसल बीमा योजना, कृषि यंत्रीकरण एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की जानकारी देते हुए किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर होने का आह्वान किया। क्षेत्रीय वन अधिकारी रामचंद्र सिंह ने कृषि के साथ वानिकी विषयों पर जानकारी दी, जबकि पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. अभिषेक मिश्रा ने पशुओं के लिए पशु चॉकलेट एवं पशु चारा निर्माण विषय पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में कृषि विभाग से राम राजवंशी, निर्भय तिवारी, श्रीकांत त्रिपाठी, प्रदीप अवस्थी सहित किसान उदय प्रताप, शिव बख्श सिंह, हरिहर, राजकुमार, रमेश कुमार पांडेय, शिव बहादुर, बबलू, राम अभिलाष, शिवनारायण, रमाकांत पांडेय, संजीव कुमार सिंह समेत बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई हत्या

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। थाना पयागपुर क्षेत्र के कोर्ट बाजार में मंगलवार रात उस समय सनसनी फैल गई, जब पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य जगदेव यादव की अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार जगदेव यादव रात करीब 8 बजे खेत की रखवाली करने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान अज्ञात लोगों ने उन पर धारदार हथियार से सिर पर हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।काफी देर तक घर न लौटने पर उनके पुत्र एवं सभासद विष्णु यादव ने फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई और कुछ देर बाद मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। आशंका होने पर परिजनों

ने खोजबीन शुरू की, तो जगदेव यादव खेत में खून से लथपथ मृत अवस्था में पड़े मिले। उन्हें तत्काल पयागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार शव पर सिर, आंख और शरीर के अन्य हिस्सों पर धारदार हथियार से वार के गहरे निशान पाए गए हैं। पुत्र विष्णु यादव की तहरीर पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष संजय सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि "हत्याकांड के खुलासे के लिए विशेष टीम गठित कर दी गई है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।" इस नृशंस हत्या से क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है, वहीं ग्रामीणों में घटना को लेकर गहरा रोष व्याप्त है। पुलिस क्षेत्राधिकारी पयागपुर हर्षिता तिवारी ने बताया कि जल्द ही अपराधी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस का व्यापक जनजागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में सोनभद्र पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर जन–जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना रहा। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात 'डॉ. चारु द्विवेदी (सहायक नोडल अधिकारी दृ मिशन शक्ति 5.0 के नेतृत्व में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, बाजारों एवं भीड़–भाड़ वाले क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए गए। अभियान के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराधों से सतर्क रहने, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों की जानकारी दी गई। साथ ही आपात स्थिति में त्वरित पुलिस सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, महिला हेल्पलाइन सेवाओं तथा आत्मरक्षा के व्यावहारिक उपायों के संबंध में भी विस्तार से अवगत कराया गया। महिलाओं को निर्भीक होकर पुलिस से संपर्क करने, किसी भी प्रकार की आपराधिक घटना की सूचना तत्काल देने एवं कानून का सहयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। सोनभद्र पुलिस जनसामान्य से अपील करती है कि महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित किसी भी अपराध अथवा आपात स्थिति की सूचना तत्काल नजदीकी थाना या उपरोक्त हेल्पलाइन नंबरों पर दें। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं विश्वास बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एक दिवसीय दौरे पर श्रावस्ती पहुंचे प्रभारी मंत्री, दिव्यांगजनों को वितरित किए सहायक उपकरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। प्रदेश के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग/जनपद के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल जी एक दिवसीय भ्रमण पर जनपद श्रावस्ती पहुंचे। कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचने पर माननीय जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। प्रभारी मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं रेडक्रास सोसायटी के सहयोग से 08 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, ट्राईसाइकिल, श्रवण यंत्र, वॉकिंग स्टिक एवं कम्बल वितरित किए। इसके पश्चात प्रभारी मंत्री ने "विकसित भारतदृजी राम जी योजना" के संबंध में पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि देश के माननीय प्रधानमंत्री का लक्ष्य है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जाए, जिसमें यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि जब गांव विकसित होंगे तभी प्रदेश और देश विकसित होंगे।

प्रभारी मंत्री ने बताया कि योजना के अंतर्गत अब रोजगार की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन की जाएगी तथा श्रमिकों को समय से मजदूरी भुगतान सुनिश्चित होगा। देरी की स्थिति में संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना रोजगार और आजीविका के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी और श्रमिकों की आय में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार 'सबका साथदृसबका विकासदृसबका विश्वास' के सिद्धांत पर कार्य करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर प्रयासरत है। इसके उपरांत प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्)दृ2025 के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्देश दिए गए कि मतदाता सूची में दर्ज आपत्तियों का निर्धारित समय–सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी, मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद, अपर जिलाधिकारी अमरेंद्र कुमार वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर राम मंदिर परिसर बना सेवा का संगम

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा/सोनभद्र। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर नगर के समाज सेवियों ने मिलकर स्थानीय श्री राम मंदिर परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान एवं कंबल वितरण के साथ ही पतंग प्रतियोगिता और एक भव्य एवं भंडारे का आयोजन किया। धार्मिक आस्था, सामाजिक सेवा और लोक परंपराओं से सजा यह कार्यक्रम लोगों के दिलों में खास जगह बना ली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे ने कार्यो का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य समाजसेवी अमित अग्रवाल उर्फ रिक्की एवं समाजसेवी रमेश सिंह के सौजन्य से सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में एक बड़ा ही भावुक क्षण आया जब ओबरा निवासी 62 वर्षीय रामलाल जायसवाल ने रक्तदान कर समाज के लिए एक असाधारण उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी इस पहल ने युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी को प्रेरित किया। वही इस कड़ाके की ठंड में हजारों कंबल वितरण कर जरूरतमंदों की सेवा की गई। पतंगों से सजा आसमान, भंडारे में उमड़ा जनसैलाब मकर संक्रांति की परंपरा को चार चांद लगा दिया।यह पतंगबाजी प्रतियोगिता ने बच्चों और युवाओं में खास उत्साह भर दिया। वहीं, विशाल भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरा मंदिर परिसर जय श्रीराम और धार्मिक नारों से गूंज उठा। इस दौरान आयोजकों ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे जिससे समाज में सेवा, सहयोग और संस्कार की भावना और मजबूत हो सके। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रमेश मिश्रा, उमेश सिंह,नीरज भाटिया, पवन अग्रवाल आदि लोग मौजूद रहे।

दुद्धी में दो दुकानों के शटर तोड़कर हुई चोरी का सफल अनावरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक अपराध एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी के पर्यवेक्षण में थाना दुद्धी पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए बड़ी सफलता प्राप्त की गई है। बुधवार को प्रातः लगभग 04रू40 बजे, थाना दुद्धी पुलिस टीम खजुरी क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति/वस्तु चेकिंग व विवेचना के दौरान मामूर थी। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि कनहर नदी के पास दाह संस्कार घाट जाने वाले रास्ते पर दो पुरुष व एक महिला संदिग्ध अवस्था में किसी वाहन का इंतजार कर रहे हैं तथा भागने की फिराक में हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा मौके पर घेराबंदी कर तीनों संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम व पता बताया, उक्त अभियुक्तगण 'थाना दुद्धी पर पंजीकृत मु0अ0सं0– 272/2025 एवं 317/2025, धारा 331(4), 305(।), 317(2), 317(5) बीएनएस एवं 3/25 आर्म्स एक्ट' से संबंधित अभियोगों में वांछित थे। अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया है।

मकर संक्रांति सद्भाव का प्रतीक – कार्यकारी निदेशक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर/सोनभद्र। एनटीपीसी परिसर स्थित अपनी भव्यता, सुंदरता एवं आध्यात्मिक महत्व के लिए क्षेत्र में प्रसिद्ध रिहंदेश्वर धाम महादेव मंदिर में 'देवताओं का दिन–मकर संक्रांति उत्सव' को भव्य तरीके से मनाया गया। मंदिर समिति के द्वारा भोग प्रसाद –चुरा–दही, गुड़ , तिलवा, तिलकुट के साथ–साथ महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गई जिसे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख कार्यकारी निदेशक अनिल श्रीवास्तव, वर्तिका महिला मंडल की अध्यक्षा शिखा श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक संजय असाटी, नीलु असाटी, मानव संसाधन प्रमुख राजेश बोई पोई, मंदिर समिति के अध्यक्ष संजीव खेड़ा, उपाध्यक्ष योगेश त्रिपाठी, निशांत कमल, मानव संसाधन विभाग के उप महाप्रबंधक प्रदीप कुमार, रंगा रेड्डी, रोशन कुमार, मंदिर समिति के महासचिव प्रमोद द्विवेदी, अमित मालवीय, बीएमएस के अध्यक्ष राकेश राय, महामंत्री एस एन पाठक, मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष एवं समर्पित सिपाही संजय कुमार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सद्भावना प्रमुख अनिल त्रिपाठी, हरिओम मिश्रा, उदय उपाध्याय के साथ सैकड़ों भक्तजन मंदिर में दर्शन पूजन कर भोग महाप्रसाद ग्रहण किये। मंदिर समिति के अध्यक्ष संजीव खेड़ा ने कहा मकर संक्रांति का उत्सव पौराणिक काल से सम्पूर्ण भारत वर्ष में मनाया जाता रहा है। इस दिन भगवान भास्कर उत्तरायण होते हैं। उपाध्यक्ष योगेश त्रिपाठी ने बताया कि आध्यात्मिक मान्यता है कि मां गंगा का सागर से मिलन आज के दिन हीं होता है और पवित्र नदियों में स्नान, दान तथा देवालयों में दर्शन पूजन से पापों का नाश एवं आत्मा की शुद्धि होती है। राकेश राय ने कहा यह त्योहार सामाजिक मेल–मिलाप एवं पारिवारिक सद्भाव का प्रतीक माना जाता है। हर घर में गुड़ से बनी मिठाईयों की महक मन में मिठास भर देती है। परियोजना प्रमुख ने सभी को मकर संक्रांति की बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रदान की। उन्होंने कहा कि रिहंदेश्वर महादेव का आशीर्वाद सभी पर सदैव बना रहे और सामाजिक सद्भाव मजबूत हो। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर समिति के सदस्य श्री कृष्ण भगवान पाठक, रिंकेश उपाध्याय, श्रीराम यादव आदि पूरे मनोयोग से लगे रहे।

ट्रक से टकराकर बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल,रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र के बीजपुरदृमुर्धवा मार्ग पर सर्वेश्वरी आश्रम के पास मंगलवार की शाम करीब 9 बजे हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों के अनुसार देवरी गांव निवासी27 वर्षीय दिनेश प्रजापति पुत्र छोटेलाल प्रजापति अपनी बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान उसने आगे जा रहे ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दिनेश गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर राहगीरों व ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर पहुँचाया, जहाँ चिकित्सक डॉ. पी.एन. सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। उधर हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घायल के परिजनों ने बताया कि दिनेश मंगलवार को रिश्तेदारी में रासपहरी गया था और वहीं से देवरी लौटते समय दुर्घटना का शिकार हो गया। ग्रामीणों के अनुसार युवक ने हेलमेट नहीं पहना था।

व्यापारी संवाद कार्यक्रम 17 को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उपायुक्त प्रशासन राज्य कर सोनभद्र ने अवगत कराया है कि राज्य कर विभाग, उत्तर प्रदेश की प्राथमिकता राजस्व संग्रह के साथ–साथ प्रदेश/जिले के व्यापारियों को जीएसटी की विधिक व्यवस्थाओं के प्रति जागरूक करना एवं इसके क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं का समाधान करना है। इसी क्रम में जिला स्तर पर व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन 17 जनवरी,2026 को अपरान्ह 01.00 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में किया जाना है। उन्होंने आयोजित व्यापारी संवाद कार्यक्रम में सम्बन्धितों को उपस्थिति के लिए अपील की है।

चंदुआर को शिकस्त दे माँ ज्वाला की टीम विजेता

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बीना क्षेत्र अंतर्गत कोहरौल जूनियर हाई स्कूल प्रांगण मे बीते 5 जनवरी से चल रहें ग्रामीण अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता मे बुधवार को फाइनल मैच माँ ज्वाला एवं चंदुआर के बीच खेला गया। जिसमे माँ ज्वाला विजेता रही। माँ ज्वाला ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लेते हुए निर्धारित 10 ओवर मे 2 विकेट के नुकसान पर बल्लेबाज नफीस 38 रन, चन्दन 35 रन, बाबी 26 रन की मदद से कुल 105 रन बनाये। जवाब मे उतरी चंदुआर 8 वें ओवर मे 65 रन बनाकर आल आउट हो गई। जिससे माँ ज्वाला ने 40 रन से मैच जीत लिया।बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित मधुकान कंपनी एच आर मैनेजर अरुण तिवारी ने विजेता/ उपविजेता दोनों टीमों को शील्ड मेडल व क्रमशः 21 हजार रूपये एवं 11 हजार रूपये नकद राशि प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। निर्णायक की भूमिका लवकुश विश्वकर्मा एवं सिब्बू ने निभाई। इस दौरान मुख्य रूप से बीना पुलिस चौकी प्रभारी जितेन्द्र सरोज,आशीष चौबे,अवनीश दुबे खेल समिति अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार , प्रदीप दुबे, सोनू तिवारी, कृष्णजी, सहित तमाम लोग मौजूद रहें।

10 हजार का इनामी शातिर बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। थाना कोन पुलिस ने बुधवार तड़के एक बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने से पहले ही उसे नाकाम करते हुए 10 हजार रुपये के इनामी शातिर बदमाश को पुलिस मुठभेड़ में घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान बदमाश के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, नकदी तथा मोबाइल फोन बरामद किए गए, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गया। थाना प्रभारी निरीक्षक संजीव सिंह ने बताया कि 14 जनवरी की रात्रि गस्त एवं संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग के दौरान गोपनीय सूचना प्राप्त हुई कि कनहर नदी पुल के पास कोनदृतेलगुड़वा मुख्य मार्ग पर कुछ शातिर बदमाश महिला का भेष धारण कर रात्रि में राहगीरों व वाहनों को रोककर लूट की घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना कोन संजीव कुमार सिंह ने तत्काल पुलिस टीम गठित कर भोर लगभग 5 बजे बताए गए स्थान पर दबिश दी। पुलिस टीम को देखते ही बदमाश जंगल की ओर भागने लगे। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में संतुलित जवाबी फायरिंग की गई, जिसमें एक बदमाश कृष्णा उर्फ कृष्णदेव सिंह पुत्र लोहा सिंह, निवासी नौडीहा, थाना कोन, जनपद सोनभद्र (उम्र लगभग 23 वर्ष) के बाएं पैर में गोली लग गई। उसे

घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका एक साथी फरार हो गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस 315 बोर, दो खोखा कारतूस .315 बोर, 450 रुपये नकद तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। घायल अभियुक्त को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। इस संबंध में थाना कोन पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वीकार किया कि वह अपने गिरोह के साथ मिलकर महिला का भेष धारण कर हाईवे एवं मुख्य मार्गो पर वाहनों को रुकवाता था और चालकों को प्रलोभन देकर जंगल अथवा सुनसान स्थानों की ओर ले जाकर अवैध असलहे के बल पर नगदी व कीमती सामान लूट लेता था। अभियुक्त ने यह भी बताया कि लोकलाज व बदनामी के भय से कई पीड़ित पुलिस में शिकायत नहीं करते थे, जिसका लाभ उठाकर गिरोह लगातार वारदातें करता रहा। उसने फरार साथि का नाम सोनू पुत्र सुरेंद्र उर्फ सुलेंद्र बताया हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं।वही थाना प्रभारी ने आगे बताया कि फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें बनाई गई है उसे भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, के अलावा बागेसोती चौकी प्रभारी वीरेंद्र वर्मा, उप निरीक्षक राकेश राय, उप नि भागवत राय, शशिकांत सिंह, हेड कांस्टेबल आशीष कुमार सिंह,शंभू सिंह यादव,अनिल सरोज,अभिषेक यादव, इंद्रबली राय,विनय यादव,अशोक कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

एससीसी सिंगरौली पहुचीं अजीरेश्वर धाम जरहा किक्रेट के सेमीफाइनल में

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर/सोनभद्र। जरहा अजीरेश्वर धाम के ग्राउंड में चल रहे क्रिकेट मैच में मंगलवार को एससीसी सिंगरौली की टीम ने बीसीसी बभनी को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले लीग मैच में बीजपुर और बभनी के बीच खेला गया जिसमें बीजपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 10ओवर में 10विकेट खोकर 85 रन बनाए। जबाब में बल्लेबाजी करने उतरी बीसीसी बभनी ने मैच को आसानी से जीत लिया। दूसरा लीग मैच रैंबो वारियर्स वाडफनगर और एससीसी सिंगरौली के बीच खेला गया जिसमें रैंबो वारियर्स वाडफनगर की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 10 विकेट खोकर 72 रन ही बना पाई जिसका पीछा करते हुए एससीसी सिंगरौली ने 7.4ओवर में 73 रन बनाकर मैच जीत लिया। क्वार्टर फाइनल में बीसीसी बभनी की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 6ओवर में 6विकेट खोकर मात्र 61 रन पर सिमट गई जिसको एससीसी सिंगरौली ने मात्र 4.5ओवर में ही जीत दर्ज कर लिया। क्वार्टर फाइनल में एससीसी सिंगरौली के सूरज तिवारी को मैन आफ द मैच का पुरस्कार मिला। मैच में निर्णायक की भूमिका में रमेश गुप्ता और मु.अजीज कमेंट्री में रंजीत जायसवाल और आशिफ स्कोरर की भूमिका मुकेश और सुरेन्द्र ने निभाई। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में कक्कू जायसवाल ,सोनू मोदनवाल, शैलेन्द्र सिंह, श्यामसुंदर जायसवाल अमित जायसवाल, सूरजदूबे,रंजीत जायसवाल के साथ कमेटी के समस्त सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अनुदानित उर्वरको के साथ किसी भी प्रकार की टैगिंग नही होगी स्वीकार–जिला कृषि अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला कृषि अधिकारी, ने अवगत कराया है कि प्रदेश में यूरिया आपूर्ति करने वाली समस्त संस्थाओ को अनुदानित उर्वरको की आपूर्ति एवं विकी हेतु दी गई अनुमति को छोडकर उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र मे अंकित अन्य समस्त गैर अनुदानित उत्पादो की आपूर्ति एवं विकी को 01. जनवरी 2026 से उत्तर प्रदेश मे पूर्णतः प्रतिबंध लगाये जाने के निर्णय निर्गत किये गये है। जनपद के समस्त प्रदायकर्ता कम्पनी, थोक उर्वरक विक्रेता एवं फुटकर उर्वरक विक्रेता को निर्देशित किया गया कि जनपद मे अनुदानित उर्वरको के साथ किसी भी प्रकार की टैगिंग स्वीकार नही है। शासन की प्राथमिकताओ मे सम्मलित इस महत्वपूर्ण कार्य मे किसी भी प्रकार की लापरवाही होती है तो उर्वरक अकार्बनिक, कार्बनिक एवं मिश्रित नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्राविधानानुसार आवश्यक कार्यवाही कर दी जायेगी। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी सम्बन्धित की होगी।

सूची एक सप्ताह के अन्दर उपलब्ध न कराने वाले विभागाध्यक्ष के वेतन आहरण पर रोक के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया है कि आगामी त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन–2026 हेतु निर्वाचन/सहायक निर्वाचन अधिकारियों, प्रभारी/सहायक प्रभारी अधिकारियों तथा सेक्टर/जोनल मजिस्ट्रेट की नियुक्ति किये जाने हेतु आपके विभाग में कार्यरत अधिकारियों की सूची उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया था, जो अभी तक अप्राप्त है। उन्होंने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत की मतदाता सूचियों के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम–2025 हेतु समय–सारणी निर्गत की गयी है। समय सारणी अनुसार निर्वाचक नामावली का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन 28 मार्च,2026 को निर्धारित है। मतदाता सूची के अन्तिम प्रकाशन के उपरान्त त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन–2026 की प्रक्रिया प्रारंभ हो जायेगी। निर्वाचन की प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु निर्वाचन/सहायक निर्वाचन अधिकारियों, प्रभारी/सहायक प्रभारी अधिकारियों तथा सेक्टर/जोनल मजिस्ट्रेट की नियुक्ति किया जाना है। उन्होंने निर्देशित किया है कि निर्वाचन/सहायक निर्वाचन अधिकारियों, प्रभारी/सहायक प्रभारी अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची जिला निर्वाचन कार्यालय पंचायत एवं नगरीय निकाय सोनभद्र में एक सप्ताह के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगें। सूची एक सप्ताह में उपलब्ध न कराने की दशा में आपके कार्यालय के वेतन–आहरण एवं अन्य वित्तीय भुगतानों पर रोक लगा दी जायेगी।

वृद्धाश्रम में रहने की सुविधा होगी उपलब्ध–जिला समाज कल्याण अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया ने अवगत कराया है कि जनपद में निवासरत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक जो मानसिक/शरीरिक रूप से स्वस्थ्य हैं एवं चलने–फिरने में सामर्थ होने के साथ ही वृद्धाश्रम में रहने के इच्छुक हैं। ऐसे वृद्धजनों वृद्धाश्रम, छपका, राबर्ट्सगंज सोनभद्र में अपने आधार कार्ड से अपना पंजीकरण कराकर प्रवेशित हो सकते हैं। वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजनों को नाश्ता, भोजन, वस्त्र, बिस्तर इत्यादि सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था की गयी है।

विकास खण्डवार बैठक की तिथि निर्धारित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अग्रणी जिला प्रबन्धक ने अवगत कराया है कि विकास खण्ड स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक 16 जनवरी से 12 मार्च,2026 तक विकास खण्डवार किया जाना है। बीएलबीसी संयोजकों को निर्देशित किया गया है कि सभी सम्बन्धित बैंक शाखा/ब्लाक कार्यालय को ससमय सूचित करते हुए बैठक में आवश्यक प्रबन्ध करेंगें। उन्होंने बताया कि इंडियन बैंक दुद्धी की बैठक विकास खण्ड कार्यालय दुद्धी में 16 जनवरी,2026 को, इंडियन बैंक खरूआंव की विकास खण्ड कार्यालय खरूआंव में 20 जनवरी,2026 को, इंडियन बैंक राबर्ट्सगंज की विकास खण्ड कार्यालय राबर्ट्सगंज में 03 फरवरी,2026 को, आर्यावर्त बैंक करमा की विकास खण्ड कार्यालय करमा में 06 फरवरी,2026 को, इंडियन बैंक कोन की बैठक विकास खण्ड कार्यालय कोन में 10 फरवरी,2026 को, इंडियन बैंक सलखन की बैठक विकास खण्ड कार्यालय चोपन में 11 फरवरी,2026 को, इंडियन बैंक चपकी की बैठक विकास खण्ड कार्यालय बभनी में 18 फरवरी,2026 को, इंडियन बैंक रामगढ़ की बैठक विकास खण्ड कार्यालय चतरा में 02 मार्च,2026 को, इंडियन बैंक रेनुकूट की बैठक इण्डियन बैंक रेनुकूट शाखा में 11 मार्च,2026 को तथा इंडियन बैंक खलियारी की बैठक विकास खण्ड कार्यालय नगवां में 12 मार्च,2026 को किया जाना निर्धारित है।

अंयंत्रित होकर राखड लोड ट्रेलर नाले मे पलटी, चालक घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बीना पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत शक्तिनगर वाराणसी मुख्य मार्ग पर खदान मोड़ के समीप राखड़ लोड ट्रेलर नाले मे जा पलटा। जिसमें ट्रेलर चालक विनोद निवासी पटीहारी, मिर्जापुर को अटल अस्पताल में भर्ती कराया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि हाईवे के किनारे नाला बनाने से आए दिन सड़क दुर्घटना हो रही है। सांकेतिक बोर्ड लगाने की मांग राहगीरों ने की है। फिलहाल पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

मकर संक्रांति 2026: जानें 14 या 15 जनवरी, कब है खिचड़ी और दान का सही दिन

मकर संक्रांति का त्योहार हिंदू धर्म में विशेष से रुप मनाया जाता है। यह न केवल धार्मिक महत्व है बल्कि यह तिथि ज्योतिष के अनुसार भी बहुत शुभ है। मकर संक्रांति भारत का एक प्रमुख त्योहार है। यह हर साल जनवरी में मनाया जाता है। इस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता और उत्तरायण हो जाते है। मकर संक्रांति का पर्व देश के अलग–अलग हिस्सों में अलग–अलग नामों से मनाया जाता है, जैसे उत्तर भारत में इसे खिचड़ी कहा जाता है, गुजरात में इसे उत्तरायण के नाम से जाना जाता है और दक्षिण भारत में इसे पोंगल के नाम से जाना जाता है। यह पर्व हर साल 14 या 15 जनवरी को मनाया जाता है जब सूर्य देव धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के साथ ही वो उत्तरायण भी हो जाते हैं और इस दिन के बाद से ही शुभ कामों की शुरुआत भी हो जाती है। इस बार मकर संक्रांति की तिथि को लेकर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति बनी हुई है और सभी के मन में यही सवाल है कि यह पर्व किस दिन मनाया जाएगा?

मकर संक्रांति 2026 कब है?– इस बार सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में 14 जनवरी की रात के समय प्रवेश करेंगे, इसलिए मकर संक्रांति का पर्व उदया तिथि के अनुसार 15 जनवरी, गुरुवार को मनाया जाएगा।

– सूर्य का मकर राशि में प्रवेश 14 जनवरी 2026, बुधवार रात्रि लगभग 9रु11 बजे हो रहा है।

– ऐसे में उदया तिथि के अनुसार मकर संक्रांति त्योहार 15 जनवरी को पड़ रहा है, इसलिए यानी इसी दिन खिचड़ी खाना और मकर संक्रांति पर स्नान–दान करना शुभ माना जाता है।

मकर संक्रांति पूजा शुभ मुहूर्त क्या है?– मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव की पूजा करना और दान–पुण्य के कार्य किए जाते है। इस दिन स्नानस दान और जप–तप करने से व्यक्ति को अक्षय फलों की प्राप्ति होती है।

– अगर आप दान–पुण्य का कार्य करना चाहती हैं, तो 15 जनवरी को कर सकती हैं क्योंकि 14 जनवरी को षटतिला एकादशी भी है। इसलिए 14 जनवरी के दिन चावल या काले तिल का दान नहीं करना चाहिए। – अगर आप खिचड़ी का दान करती हैं या खिचड़ी ग्रहण करती है तो 15 जनवरी का दिन ही सबसे शुभ होगा। – मकर संक्रांति ब्रह्म मुहूतर्रू 15 जनवरी, गुरुवार, प्रातः 5:30 से 6:25 तक – मकर संक्रांति स्नान–दान का शुभ समयः 15 जनवरी, गुरुवार, प्रातः 6:30 से दोपहर 12:30 तक – सूर्य को अर्घ्य देने का सबसे उत्तम समयरू 15 जनवरी, गुरुवार, प्रातः 7:15 से 8 :45 तक – इस शुभ दिन पर गंगा, यमुना या किसी अन्य पवित्र नदी में स्नान करना भी अत्यंत शुभ माना जाता है। यदि यह संभव न हो, तो घर पर ही नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर कर सकती हैं। मकर संक्रांति के दिन किन चीजों का दान शुभ होता है?– मकर संक्रांति को दान–पुण्य का अत्यंत शुभ पर्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश करते हैं, जिससे किए गए दान का फल कई गुना बढ़ जाता है। इस अवसर पर कुछ खास वस्तुओं का दान करना विशेष रूप से लाभकारी माना गया है। साथ ही, यदि व्यक्ति अपनी राशि के अनुसार दान करता है, तो उसका पुण्य और भी अधिक फलदायी होता है। – इस दिन काली उड़द दाल और चावल की खिचड़ी का दान करना और काले तिल का दान करना शुभ माना जाता है। – मकर संक्रांति पर आप काले तिल के साथ गुड़ का दान करेंगी तो यह और भी ज्यादा शुभ माना जाता है। – इसके साथ ही इस दिन कंबल और ऊनी वस्त्रों का दान करना बेहद ही शुभ माना जाता है। – मकर संक्रांति पर अन्न और धन का दान करना भी विशेष माना जाता है।

मकर संक्रांति पर करें ये उपाय – मकर संक्रांति के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान आदि से मुक्त होकर सूर्य को अर्घ्य दें। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन सूर्य को जल चढ़ाने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है और धन का आगमन होता है। सूर्य को अर्घ्य देते समय आप जल में एक चुटकी सिंदूर या रोली जरुर मिलाएं। – इस दिन घर के मंदिर में घी का दीपक जरुर जलाएं और घर की समृद्धि के लिए कामना करें। अगर आप इस दिन विशेष रुप से घी का दीपक जलाकर पूजा करती हैं तो इसके शुभ फल अवश्य मिलते हैं। – मकर संक्रांति के दिन आप जिस चीज का भी दान करे उसके साथ काले तिल अवश्य डालें। इस दिन काले तिल का दान जीवन की कई समस्याओं से मुक्ति दिलाता है।

मकर संक्रांति पर खिचड़ी खाना क्यों होता है शुभ?

मकर संक्रांति का प्रमुख महत्व सूर्य देव के उत्तरायण होने से जुड़ा हुआ है। इस दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की दिशा में प्रवेश करते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार उत्तरायण को देवताओं का दिवस और दक्षिणायन को देवताओं की रात्रि माना गया है। इसलिए उत्तरायण काल को विशेष रूप से शुभ और सकारात्मक माना जाता है। मकर संक्रांति से उत्तरायण की शुरुआत होती है, जब सूर्य की किरणें उत्तरी गोलार्ध पर अधिक प्रभाव डालती हैं जिससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। शास्त्रों में उल्लेख है कि इस अवधि में देवताओं की शक्तियां पृथ्वी पर अधिक सक्रिय रहती हैं। इसी कारण महाभारत के भीष्म पितामह ने भी अपनी इच्छा मृत्यु के लिए मकर संक्रांति के पावन दिन को चुना था। यही नहीं जब सूर्य देव उत्तरायण होते हैं तब से ही शुभ कार्यों की शुरुआत होने लगती हैं और विवाह , गृह प्रवेश, मुंडन आदि संस्कार फिर से आरंभ हो जाते हैं।

राहु केतु का जलवा सिर्फ दर्शकों तक सीमित नहीं, अमिताभ बच्चन, सलमान खान, संजय दत्त समेत इंडस्ट्री ने भी बरसाया प्यार

राहु केतु इस वक्त पूरे फुल फॉर्म में है और फिल्म इंडस्ट्री ने भी इस पर नोटिस लेना शुरू कर दिया है। जैसे ही ट्रेलर रिलीज हुआ, माइथोलॉजी और कॉमेडी का ये हटके कॉम्बिनेशन सोशल

मीडिया पर छा गया। दमदार गाने हों, दिलचस्प टीजर या फिर एक बिल्कुल नई और अनदेखी दुनियाकृराहु केतु हर वजह से ट्रेंड कर रही है। ऊपर से अलग–अलग शहरों में हुए कॉलेज विजिट्स ने एक्साइटमेंट को और भी हाई कर दिया है, ये साबित करते हुए कि राहु केतु को लेकर पागलपन बिल्कुल रियल है। लेकिन ये प्यार सिर्फ ऑडियंस और फैंस तक ही सीमित नहीं है। फिल्म को इंडस्ट्री के दिग्गजों से भी भरपूर शुभकामनाएं मिल रही हैं। अमिताभ बच्चन, सलमान खान और संजय दत्त जैसे बड़े नामों ने टीम को बधाइयां दी हैं।

इनके साथ अली फजल और ऋत्विक धनजानी ने भी अपना सपोर्ट भेजा है, जिससे फिल्म को लेकर बढ़ती एक्साइटमेंट और मजबूत हो गई है।

वरुण शर्मा, पुलकित सम्राट और शालिनी पांडे की तिकड़ी के साथ, फिल्म ह्यूमर, अफरा–तफरी और चार्म का फ्रेश डोज देने का वादा करती है। विपुल विग के डायरेक्शन डेब्यू वाली इस फिल्म में चंकी पांडे, अमित सियाल, मनु ऋषि चड्ढा और सुमित गुलाटी जैसे दमदार कलाकार भी हैं, जो राहु केतु की दुनिया को और भी रंगीन, लेयर्ड और जबरदस्त एंटरटेनिंग बनाते हैं। लगातार बढ़ता बज और हाई लेवल एक्साइटमेंट ये साफ कह रहा है कि राहु केतु इस सीजन की सबसे ज़्यादा इंतजार की जाने वाली एंटरटेनर फिल्मों में से एक बनने वाली है।

जी स्टूडियोज की प्रस्तुति, जी स्टूडियोज और बीलाइव प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, राहु केतु 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरोंत्व में दस्तक दे रही है। अपनी पूरी गैंग रेडी रखिए और बड़े पर्दे पर इस पागलपन का मजा लीजिए।

ब्रेड से सैंडविच के अलावा भी बनाकर खाए जा सकते हैं ये 5 लजीज व्यंजन

ज्यादातर लोग सुबह के नाश्ते में ब्रेड खाना पसंद करते हैं। यह कार्ब्स का बढिया स्त्रोत है और पेट भी भर देती है। आम

तौर पर लोग या तो ब्रेड में मक्खन लगा कर खा लेते हैं या फिर उसका सैंडविच बना लेते हैं। हालांकि, इस खाद्य पदार्थ से सैंडविच के अलावा भी कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाए जा सकते हैं। आज के लेख में हम आपको ब्रेड के 5 लजीज पकवानों की रेसिपी बताने वाले हैं।

ब्रेड पोहा

ब्रेड पोहा बेहतरीन नाश्ता है, जो बच्चों को खास तौर से पसंद आता है। इसके लिए पैन में तेल गर्म करके उसमें राई, करी पत्ते और मिर्च भूनें। अब इसमें बारीक कटे प्याज, गाजर, शिमला मिर्च और बींस को अच्छी तरह भून लें। इसके बाद इसमें हल्दी और टमाटर डालकर पकने दें। ब्रेड को छोटे टुकड़ों में काटकर इसमें डालें। इसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर और गरम मसाला मिलाएं। प्लेट में निकालकर इस पर नींबू का रस और धनिया छिड़कें।

ब्रेड लजानिया

ब्रेड लजानिया बनाने के लिए क्रीम, मक्खन, मैदा, चीज और सीजनिंग मिलाकर सफेद सॉस तैयार करें। इसके बाद शिमला मिर्च, गाजर, कॉर्न, प्याज, मशरूम, मिर्च और पसंद की सब्जियों को काटकर भून लें। इसमें मसाले और पिज्जा–पास्ता सॉस शामिल करें। एक बेकिंग डिश में ब्रेड की परत बिछाएं और ऊपर से दोनों सॉस और चीज भी डालें। एक–एक करके परत बनाते जाएं और लजानिया को बेक कर लें। ऊपर से चिली फ्लेक्स और ओरिगैनो जैसी सीजनिंग डालकर खाएं।

ब्रेड पिज्जा

पिज्जा खाने का मन करे तो झटपट ब्रेड पिज्जा बनाकर खा लें। इसके लिए पिज्जा बेस की जगह पर ब्रेड का इस्तेमाल किया जाएगा। ब्रेड के ऊपर मक्खन, पिज्जा–पास्ता सॉस, मेयोनीज और चीज स्प्रेड लगाएं। इसके बाद इसपर टमाटर, मशरूम, कॉर्न, पनीर, प्याज, शिमला मिर्च और ब्रोकली आदि रखें। ऊपर से मोजेरेला चीज डालें और सीजनिंग भी छिड़क दें। अब ब्रेड को तवे पर ढककर सेक लें और आपका ब्रेड पिज्जा तैयार हो जाएगा।

ब्रेड पकौड़ा

ब्रेड से बनने वाले पकौड़े चाय के साथ बहुत स्वादिष्ट लगते हैं। इसके लिए उबले आलू में मसाले मिलाकर एक जायकेदार फिलिंग तैयार करें। इसके बाद एक कटोरे में नमक, बेसन, पानी और मसाले मिलाकर घोल तैयार करें। 2 ब्रेड के बीच में फिलिंग भरें और उसे बेसन वाले घोल में डुबोएं। अब कढ़ाई में तेल गर्म करके पकौड़ों को तल लें। इन्हें हरी चटनी और सॉस के साथ परोसें।

ब्रेड ढोकलाः ब्रेड ढोकला तैयार करने के लिए पहले ब्रेड के किनारे वाले भूरे हिस्से को काट लें। एक कटोरे में दही, ताजा कटा हरा धनिया, हरी मिर्च, नमक और काली मिर्च का पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को ब्रेड पर फैलाएं और ऊपर से दूसरी ब्रेड रख दें। तवे पर तेल गर्म करें और उसमें राई, हल्दी और करी पत्तों को भूनें। अब इस तड़के पर ब्रेड वाले ढोकले रखें और उन्हें दोनों तरफ से सेंकने के बाद चटनी के साथ खाएं।

भोजपुरी गाना कमर 28 रिलीज, आकांक्षा पुरी बोलीं– बेहद खास है लिरिक्स

अभिनेत्री और सिंगर आकांक्षा पुरी का लेटेस्ट भोजपुरी सिंगल कमर 28 म्यूजिक लेबल टी–सीरीज के तहत रिलीज हो चुका है। इस गाने में आकांक्षा भोजपुरी सिंगर नीलकमल सिंह के साथ नजर आ रही हैं, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। गाने को लेकर

आकांक्षा बेहद उत्साहित हैं, जिसे जाहिर करते हुए उन्होंने बताया कि कमर 28 उनके लिए बहुत खास है। उन्होंने कहा, यह गाना विशेष रूप से मुझे ध्यान में रखकर लिखा गया है। यही कारण है कि यह मेरे इतने करीब और बेहद खास है। लिरिक्स अपना सा और पर्सनल फील देते हैं। गाने की लिरिक्स धीरज बाबुआन ने लिखी है, जबकि म्यूजिक एडीआर आनंद का है। आकांक्षा और नीलकमल की जोड़ी हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर धूम मचा रही है। दर्शकों को उनकी केमिस्ट्री पसंद आ रही है। नीलकमल के साथ अपने रिश्ते पर आकांक्षा ने खुलकर बात की। उन्होंने बताया, हमारे बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है और हम दोनों के बीच दोस्ती का खूबसूरत रिश्ता है। नीलकमल बहुत क्रिएटिव हैं और उनके साथ शूटिंग करना मजेदार लगता है। हम आउटफिट्स, हेयरस्टाइल से लेकर कलर थीम्स तक सब कुछ पहले से प्लान करते हैं, जिससे शूटिंग और भी रोमांचक हो जाती है। मुझे उनका इन्वॉल्वमेंट और डेडीकेशन बहुत पसंद है। उनके साथ काम करके उत्साहित हूं। कमर 28 के बाद आकांक्षा के अगले चार महीनों में चार और गाने रिलीज होने वाले हैं। आकांक्षा पुरी ने मुख्य रूप से म्यूजिक वीडियोज और गानों के जरिए भोजपुरी इंडस्ट्री में काफी लोकप्रियता हासिल की है। वह पवन सिंह के साथ तुझे ना देखूं तो चौन जैसे गाने में नजर आ चुकी हैं। वहीं, खेसारी लाल यादव के साथ उनकी जोड़ी सुपरहिट रही है, खेसारी के साथ आकांक्षा लटक जईब, बदनाम तहरा से, सरसों के तेलवा, लोहा गरम और अहिरान में काम कर चुकी हैं। ये गाने लाखों व्यूज बटोर चुके हैं। वीडियो सॉन्ग के बाद आकांक्षा भोजपुरी फिल्मों में भी डेब्यू कर रही हैं। वह खेसारी लाल के साथ फिल्म अग्निपरीक्षा में नजर आएंगी।